डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

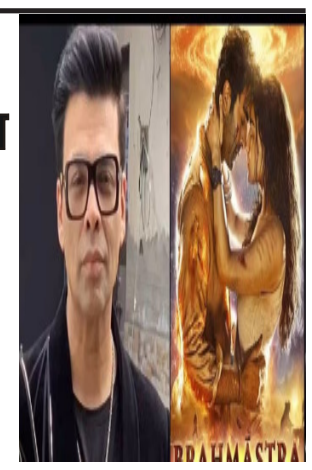

PG-5

सिनेमा- 'लाल सिंह चड्ढा' का हाल देख 'ब्रह्मास्त्र' के बायकॉट से डरे करण जौहर

वर्ष -08 अंक -144 | प्रयागराज, बुधवार 17, अगस्त, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

आईटीबीपी के हिमवीरों ने बनाया अनूठा रिकॉर्ड

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। 75 चोटियों पर फहराया तिरंगा आजादी के 75 वर्ष के आलोक में आईटीबीपी ने अपनी 75 सीमा चौकियों के नजदीक 75 चोटियों को चिह्नित किया है। बल ने सुबह 7 बजे इन सभी चोटियों पर एक साथ आरोहण किया है। इनमें 33 चोटियां लद्दाख में, 16 चोटियां उत्तराखंड में, 11 चोटियां सिक्किम में, 10 चोटियां हिमाचल प्रदेश में और 5 चोटियां अरुणाचल प्रदेश में स्थित हैं भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरा होने पर भारत सरकार के कार्यक्रम 'आजादी का अमृत महोत्सव' की श्रंखला में देशभर में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों कड़ी में आईटीबीपी द्वारा 15 अगस्त को 'अमृतारोहण' अभियान का आयोजन किया गया। आजादी के 75 वर्ष के आलोक में आईटीबीपी ने अपनी 75 सीमा चौकियों के नजदीक 75 चोटियों को चिह्नित किया है। बल ने सुबह 7 बजे इन सभी चोटियों पर एक साथ आरोहण किया है। इनमें 33 चोटियां लद्दाख में, 16 चोटियां उत्तराखंड में, 11 चोटियां सिक्किम में, 10 चोटियां हिमाचल प्रदेश में और 5 चोटियां अरुणाचल प्रदेश में स्थित हैं। आईटीबीपी हिमवीरों ने यहां पर एक साथ आरोहण कर तिरंगा फहराने का अनूठा रिकॉर्ड बना दिया है। इनमें सबसे ऊंची चोटी 18,800 फीट पर सिक्किम में स्थित है। पर्वतारोहण के क्षेत्र में आईटीबीपी का विशेष कीर्तिमान है।

पीएम मोदी का लाल किले से संकेत

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भ्रष्टाचार पर वार और महिलाओं का सम्मान होगा 2024 में भाजपा का चुनावी एजेंडा प्रधानमंत्री ने लाल किले से 'महिलाओं के सम्मान' का मुद्दा गंभीरता के साथ उठाया है। उन्होंने कहा है कि सार्वजनिक जीवन में भी लोग महिलाओं का अपमान कर देते हैं। इससे न केवल महिलाओं का अपमान होता है, बल्कि इससे देश-समाज का विकास भी बाधित होता है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले के प्राचीर से दिए गए अपने संबोधन में 2024 लोकसभा चुनाव का एजेंडा स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने इशारा किया है कि भाजपा यह लड़ाई 'भ्रष्टाचार पर की गई कार्रवाई' के आधार पर लड़ेगी। पीएम के संबोधन से इस बात का भी इशारा मिल जाता है कि विपक्ष के ईडी-सीबीआई के राजनीतिक दुरुपयोग के आरोपों से विचलित हुए बिना भ्रष्टाचारी नेताओं पर कार्रवाई जारी रहेगी। यानी आने वाले दिनों में विपक्षी नेताओं की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। महिलाओं के सम्मान का मुद्दा उठाकर प्रधानमंत्री ने यह संकेत दे दिया है कि महिला उन्मुखी योजनाएं आने वाले समय में भी केंद्र सरकार की प्रमुखता में बनी रहने वाली हैं। ये 2024 में उसकी सत्ता में वापसी की राह खोल सकती हैं। प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार को दूसरे क्षेत्रों में भी योग्य युवाओं के आगे बढ़ने की राह का रोड़ा बताया है। उन्होंने उदाहरण सहित बताया है कि जैसे ही खेलों की दुनिया से भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार खत्म किया गया, युवाओं ने भारत को खेलों की दुनिया की एक बड़ी ताकत बना दी। उन्होंने इशारा किया है कि इसी तरह दूसरे क्षेत्रों से भी भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के दूर होने से उस क्षेत्र में योग्य युवाओं की राह आसान बनेगी। इससे यह भी स्पष्ट हो जाता है कि गैर-राजनीतिक क्षेत्रों में भी भ्रष्ट लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इससे पीएम नरेंद्र मोदी की युवाओं में छवि और ज्यादा मजबूत होगी। महिलाओं का अपमान, देश-समाज का विकास भी बाधित प्रधानमंत्री ने लाल किले से 'महिलाओं के सम्मान' का मुद्दा गंभीरता के साथ उठाया है। उन्होंने कहा है कि सार्वजनिक जीवन में भी लोग महिलाओं का अपमान कर देते है। इससे न केवल महिलाओं का अपमान होता है, बल्कि इससे देश-समाज का विकास भी बाधित होता है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि यदि देश को 2047 में एक विकसित राष्ट्र बनने का सपना देखना है, तो महिलाओं की भागीदारी के बिना यह कार्य अधूरा रह जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया है कि यदि महिलाओं को उचित भूमिका दी जाती है तो इससे भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प आसान हो जाएगा।

महिला वोट बैंक के जरिए 2024 में जीत की हैट्रिक लगाने की कोशिश करेंगे पीएम मोदा.....

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। चुनावी विश्लेषक और सीएसडीएस के निदेशक प्रो. संजय कुमार कहते हैं कि आम चुनाव पर नजर डालें तो इसमें लगातार महिलाओं की भागीदारी बढ़ती हुई नजर आ रही है। राज्यों में अलग-अलग पार्टियों की सरकारों ने महिलाओं के लिए विशेष स्कीम लाने पर जोर दिया है.पीएम नरेंद्र मोदी ने आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर लाल किले से देश के नाम संबोधन में नारी शक्ति का खास तौर पर जिक्र किया। पीएम ने अपने भाषण में महिलाओं की बात करके एक तीर से कई निशाने साधे हैं। पीएम ने नारी शक्ति का जिक्र कर आगे की रणनीति भी तय कर दी है। पीएम ने जहां नारी सशक्तिकरण को बढ़ाने की बात की। वहीं उनकी नजर देश की आधी आबादी के विकास पर भी रही। माना जा रहा है कि पीएम मोदी 2024 में महिलाओं के वोट बैंक के जरिए जीत की हैट्रिक लगाने की कोशिश करेंगे। बढ़ रही है महिलाओं की भागीदारी देश के प्रख्यात चुनावी विश्लेषक और सीएसडीएस के निदेशक प्रो. संजय कुमार अमर उजाला से चर्चा में कहते हैं कि पिछले एक दशक के आम चुनाव पर नजर डालें तो इसमें लगातार महिलाओं की भागीदारी बढ़ती हुई नजर आ रही है। जिस तरह से केंद्र में मोदी सरकार हो या फिर राज्यों में अलग-अलग पार्टियों की सरकारें, सभी ने महिलाओं के लिए विशेष स्कीम लाने पर जोर दिया है। ताकि इनका फायदा उन्हें चुनावों में हासिल हो सके। इसलिए आज हर राजनीतिक दल महिलाओं के वोट बैंक को साधने की कोशिश में जुटा हुआ नजर आ रहा है। आज अगर कोई दल महिलाओं के वोट बैंक पर मजबूत पकड़ बना लेता है, तो उसे हराना बहुत मुश्किल होगा। हर राज्य में जाति आधारित वोट बैंक महज 20 या 30 फीसदी होता है। लेकिन महिलाओं की आबादी हर राज्य में मतदाताओं के दृष्टिकोण से तकरीबन 50 फीसदी तक होती है। इन्हीं कारण से हर राजनीतिक दल महिलाओं के वोटबैंक को साधने में जुटे हुए है। इसी प्रयास में पीएम नरेंद्र मोदी ने भी आज अपने भाषण में नारी शक्ति के समर्थन का जिक्र किया है। संजय कुमार कहते है कि देश में पिछले पांच वर्षों से महिलाओं के वोट बैंक को साधने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसलिए केंद्र और राज्य सरकार लगातार ऐसी योजनाएं ला रही है, जिससे महिलाओं को लुभाया जा सके। पिछले पांच वर्षों से चुनावों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। निश्चित रूप से आने वाले चुनावों में भी यह हिस्सेदारी ओर बढ़ती हुई नजर आएगी। 2019 के लोकसभा चुनावों में महिलाओं और पुरुषों की भागीदारी बराबर थी। इससे पहले के आम चुनाव में जबकि ऐसा देखने को नहीं मिला था।

देश में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या 1.17 लाख के पार

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी सोमवार(15 अगस्त) के आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटों में कोरोना के 14,917 नए मामले सामने आए हैं जो कि कल की तुलना में 825 अधिक हैं। देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी सोमवार(15 अगस्त) के आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटों में कोरोना के 14,917 नए मामले सामने आए हैं जो कि कल की तुलना में 825 अधिक हैं। वहीं इस दौरान 32 मरीजों की जान चली गई। बता दें कल के आंकड़े में 14,092 मामले सामने आए थे और 41 मरीजों की मौत हुई थी। देश में सक्रिय मरीजों की संख्या 1,17,508 हो गई है जो कि कल की तुलना में 647 अधिक है। महामारी की शुरुआत से लेकर अब तक कुल 5,27,069 लोगों की मौत हुई है। दिल्ली में लगातार 12 वें दिन 2000 से अधिक मामले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लगातार 12वें दिन 2000 से अधिक मामले सामने आए हैं और पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं संक्रमण दर बढ़कर 12.64 फिसदी हो गई है। कोरोना के नए मामलों की बात करें तो यहां बीते 24 घंटों में 2,162 मामले सामने आए है। महाराष्ट्र में कोरोना के 1189 नए मामले महाराष्ट्र में सोमवार को कोरोना के 1189 मामले दर्ज किए गए। इस दौरान एक मरीज की मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि नए मामलों में सिर्फ मुंबई में 584 मरीज मिले है, जबकि एक मरीज की मौत रायगढ़ जिले के पनवेल में हुई है।

असम के सीएम का एलान- एक लाख छोटे मामले वापस लेगी सरकार

(आधुनिक समाचार सेवा)

अरुणाचल। शुरुआत 76वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर गुवाहाटी में तिरंगा फहराने के बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि निचली अदालत में लगभग चार लाख केस पेंडिंग है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने स्वतंत्रता दिवस पर घोषणा करते हुए कहा है कि उनकी सरकार एक लाख छोटे मामले वापस लेगी, ताकि निचली अदालतों पर बोझ कम किया जा सके। इनमें वे मामले भी शामिल होंगे, जो सोशल मीडिया पोस्ट किए गए है। उन्होंने कहा कि असम कभी भारत नहीं छोड़ेगा, उम्मीद है कि जो अभी भी संप्रभुता का सपना देख रहे हैं, वे चर्चा करने के लिए टेबल पर लौटेंगे। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच असम में स्वतंत्रता दिवस का पालन हुआ। उल्लेखनीय है कि असम में कई आतंकवादी संगठनों ने स्वतंत्रता दिवस का बहिष्कार करने का आह्वान किया था। मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी के खानापारा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय के खेल मैदान में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वाजारोहण किया। इससे पहले उन्होंने परेड का निरीक्षण किया और सलामी ली। कार्यक्रम के दौरान रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए तिरंगा फहराने के बाद मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि निचली अदालतों में लगभग चार लाख केस पेंडिंग हैं। सरकार ने फैसला किया है कि 14 अगस्त 2021 की आधी रात से पहले जो भी छोटे केस दर्ज किए गए थे, उन्हें वापस ले लिया जाएगा। इससे अदालतें रेप और मर्डर जैसे जघन्यों मामलों पर ज्यादा फोकस कर पाएंगी। असम समेत नॉर्थईस्ट के पांच राज्यों में स्वतंत्रता दिवस के जशन का बॉयकॉट करने वाले और टोटल शटडाउन का आह्वान करने वाले उग्रवादी समूहों उल्फा (आई) और एनएससीएन को सीधा जवाब देते हुए सरमा ने कहा कि संप्रभुता पर कोई बात नहीं हो सकती है और असम भारत को कभी नहीं छोड़ेगा। 'हर घर तिरंगा' अभियान की सफलता पर सीएम ने कहा कि लोगों ने पिछले तीन दिनों में तिरंगा के लिए जो प्रेम दिखाया है, उससे पता चलता है कि असम हमेशा भारत के साथ है। मुझे उम्मीद है कि जो अभी भी स्वतंत्र राज्य का सपना देख रहे है वो चर्चा करने आएंगे और मिलकर राज्य के विकास के लिए काम करेंगे। उन्होंने एक ट्वीट करके आजादी के वीर सपूतों को श्रद्धांजलि दी। अरुणाचल में ड्रोन सेवाएं शुरू की गईं भारत को दुनिया का ड्रोन हब बनाने के लिए के विजन के मार्गदर्शन में ड्रोन सेवाएं शुरू की गईं। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश सरकार भी विश्व आर्थिक मंच के सहयोग से स्वास्थ्य, कृषि, आपदा प्रबंधन में ड्रोन का उपयोग करने की पायलट परियोजना का संचालन करेगी।अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि ड्रोन सेवा की पहली उड़ान शुरू हुई। पूर्वी कामेंग जिले के सेप्पा से च्यांग ताजो तक के लिए 'आसमान से दवा' का सफल प्रक्षेपण किया गया।

ममता बनर्जी बोलीं- मेरा ऐसे राष्ट्र निर्माण का सपना है

(आधुनिक समाचार सेवा)

बंगाल। जहां कोई भूखा न रहेममता बनर्जी ने कहा, ठमेरा भारत के लिए एक सपना है। मैं लोगों के लिए एक ऐशे राष्ट्र का निर्माण करना चाहती हूं जहां कोई भूखा न रहे, जहां कोई महिला असुरक्षित महसूस न करे, जहां हर बच्चा शिक्षा की रोशनी देखे, जहां सभी के साथ समान व्यवहार किया जाए। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि वह एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण करना चाहती हैं जहां कोई भूखा न रहे, जहां कोई महिला असुरक्षित महसूस न करे और जहां कोई दमनकारी ताकतें लोगों को न बांटे।

त्रिपुरा-सिक्किम के मुख्यमंत्रियों ने फहराया तिरंगा

(आधुनिक समाचार सेवा)

त्रिपुरा। शाह बोले- रेल लाइन पर काममुख्यमंत्री तमांग ने स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे देशभक्ति का प्रतीक हैं और हम उनके धीरज और निस्वार्थ बलिदान के आजीवन ऋणी हैं, जिससे हमें अपनी स्वतंत्रता प्राप्त हुई है। तमांग ने कहा कि हिमालयी राज्य और यहां के लोगों ने विकास की अपार सफलता हासिल की है। उन्होंने जीवन स्तर में सुधार, बुनियादी संरचना का निर्माण और स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, कृषि और डेयरी क्षेत्र में विकास कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हमने बड़ी बाधाओं को पार करते हुए मील का पत्थर हासिल किया है। हमारा लक्ष्य राज्य को देश में एक उत्कृष्ट राज्य के रूप में स्थापित करना, मजबूत करना और नयी ऊंचाइयों तक ले जाना है। उन्होंने कहा, उनकी सरकार ने पशुधन और किसानों की आय बढ़ाने पर बल दिया है। त्रिपुरा में ब्रू समुदाय को मिला उपहार असम राइफल्स ग्राउंड में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर तिरंगा फहराने के बाद त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक शाह ने कहा कि अगरतला (भारत)- अकाहुरा (बांग्लादेश) रेलवे लाइन का काम जारी है और भारत में इसका काम अगले साल के जून तक खत्म हो जाएगा। नार्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे (एनएफआर) अभी 967.5 करोड़ रुपये की लागत वाला 12.07 किमी लंबा रेलवे लाइन बिछा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि दक्षिणी त्रिपुरा के सबरूम में विशेष आर्थिक क्षेत्र का भी गठन हो रहा है। चिट्टागोंग अंतरराष्ट्रीय समुद्री बंदरगाह का इस्तेमाल कर अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ाया जाएगा। यह बंदरगाह सबरूम से केवल 72 किमी की दूरी पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे महिलाओं को सशक्त किया जा सकेगा। मिजोरम से विस्थापित रियांग जनजाति समुदाय को त्रिपुरा ने आश्रय दिया है। मुख्यमंत्री माणिक शाहा ने सोमवार को इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने आर्थिक तौर पर 37,136 रियांग आदिवासियों को बसाया है। इसके लिए केंद्र ने 600 करोड़ रुपये का पैकेज आवंटित किया है। रियांग समुदाय के महिलाओं और बच्चों को त्रिपुरा में रहने के लिए जगह मुहैया कराई गई है। साल 1997 में हुए जनजातिय तनाव के कारण ये सभी अपने राज्य से भागकर त्रिपुरा पहुंचे थे। उल्लेखनीय है कि ब्रू समुदाय पूर्वोत्तर भारत में त्रिपुरा, मिजोरम और बांग्लादेश के चटगांव पहाड़ी क्षेत्र में रहने वाला एक जनजातीय समूह है। इस समुदाय के लोगों की भाषा ब्रू है। त्रिपुरा में इस समुदाय को एक अलग जाति समूह रियांग तथा मिजोरम में अनुसूचित जनजाति का एक समूह माना जाता है।

स्वतंत्रता प्राप्त हुई है। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक शाह और सिक्किम मुख्यमंत्री पीएस तमांग ने अपने-अपने राज्य में सोमवार को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तिरंगा फहराया। इस दौरान शाह ने असम राइफल्स ग्राउंड में और तमांग ने दक्षिण सिक्किम में नामची जिले के बाईचुंग स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान तमांग ने भारत की आजादी के बाद की प्रगति और विकास पर प्रकाश डाला मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे देशभक्ति का प्रतीक हैं और हम उनके धीरज और निस्वार्थ बलिदान के आजीवन

अरुणाचल में ड्रोन सेवा शुरू सीएम बोले- बेहतर प्रदेश के लिए करनी होगी और मेहनत

(आधुनिक समाचार सेवा)

अरुणाचल। उन्होंने ईटानगर में डेरा नाटुंग गवर्मेंट कॉलेज मैदान राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए कहा कि जब भारत अपनी आजादी के 100वे वर्ष का उत्सव मना रहा होगा और उसे प्राप्त करने के लिए अभी से काम शुरू करना होगा। खांडू ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश और असम के बीच दशकों पुराने सीमा विवाद को सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए कार्य बेहतर तरीके से किया जा रहा है। इस दौरान भारत को दुनिया का ड्रोन हब बनाने के लिए के विजन के मार्गदर्शन में ड्रोन सेवाएं शुरू की गईं। मुख्यमंत्री खांडू ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश सरकार भी विश्व आर्थिक मंच के सहयोग से स्वास्थ्य, कृषि, आपदा प्रबंधन में ड्रोन का उपयोग करने की पायलट परियोजना का संचालन करेगी। उन्होंने कहा कि ड्रोन सेवा की पहली उड़ान शुरू हुई। पूर्वी कामेंग जिले के सेप्पा से च्यांग ताजो तक के लिए 'आसमान से दवा' का सफल प्रक्षेपण किया गया।उन्होंने कहा कि असम और अरुणाचल प्रदेश दोनों स्पष्ट इरादों के साथ काम कर रहे हैं और इस मुद्दे पर संपर्क कर रहे है। हमें उम्मीद है कि इस मुद्दे को जल्द से जल्द सुलझा लिया जाएगा। हालिया नामसाई घोषणा इस दिशा में निर्णायक कदम है। खांडू ने राज्य के लोगों से देश की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा करते हुए एक बेहतर और उज्जवल अरुणाचल प्रदेश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए खुद को फिर से समर्पित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अरुणाचल 2047' के लिए हमारा दृष्टिकोण, जब हम अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष और अरुणाचल प्रदेश के नामकरण के 75 वर्ष मनाएंगे, छह स्तंभों में उच्चतम मानकों को प्राप्त करना है।

इन्दिरा गॉधी औद्योगिक प्रशिक्षण सस्थान नैनी प्रयागराज

सभी नगर वासियो को आधुनिक समाचार की टीम की तरफ से स्वतंत्रता दिवस कि हार्दिक शुभकामनाए

आधुनिक समाचार मुख्यालय मे मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

सभी नगर वासियो को आधुनिक समाचार की टीम की तरफ से स्वतंत्रता दिवस कि हार्दिक शुभकामनाए

15 अगस्त को प्राथमिक विद्यालय मेंमदर हां मैं बड़े हर्ष के साथ मनाया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । प्राथमिक विद्यालय मदरहा में बड़े हर्ष के साथ रैली निकाली गई सभी अभिभावक भी सम्मिलित रहे सभी बच्चे बड़े उत्साह के साथ 15 अगस्त का जय हिंद जय भारत करते हुए देखने को मिला रैली को पूरे गांव में सभी बच्चों के साथ भ्रमण किया गया अतः वापिस विद्यालय में बच्चों को बैठाकर मिठाई व लड्डू भी वितरण किया गया और बच्चों को वहां के स्टाफ अंजू चौरसिया निधि श्रीवास्तव कनीज फातमा बच्चों को 15 अगस्त के बारे में बताया गया आज के दिन हमारा देश स्वतंत्र हुआ था और भी चीजें बताई गई ।

15 अगस्त आजादी के 75 में अमृत महोत्सव के उपलक्ष में एंटी क्राइम एंटी करप्शन हंडिया इकाई द्वारा साइंस लर्निंग पॉइंट हंडिया में ध्वजारोहण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । मुख्य अतिथि के रुप में एंटी क्राइम एंटी करप्शन के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव श्री अवधेश निषाद जी द्वारा ध्वजारोहण किया गया साथ में जिला महिला अध्यक्ष जूही श्रीवास्तव जी, जिला उपाध्यक्ष निशा मिश्रा जी, बबली जी और आरती जी उपस्थित रही। आदरणीय महासचिव जी के उद्बोधन द्वारा हंडिया इकाई के समस्त सदस्य गणों को 15 अगस्त की ढेर सारी शुभकामनाएं देते हुए शासन प्रशासन का सहयोग करने का आह्वान कर गये। साथ में जिला अध्यक्ष जूही श्रीवास्तव जी एवं जिला उपाध्यक्ष निशा मिश्रा जी के द्वारा हंडिया इकाई के समस्त सदस्य गणों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए हंडिया इकाई को देश प्रदेश में ऐसे सक्रिय रूप से कार्य करते रहे। कार्यक्रम में श्री रतनेश जायसवाल जी एवं अरुण केसरवानी जी द्वारा श्री अवधेश निषाद जी को पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्रम से सम्मानित किया गया, साथ में बच्चो द्वारा गीत, श्यामसुंदर जी द्वारा विरहा एवं भव्य कार्यक्रम किया गया कार्यक्रम में उपस्थित श्री रतनेश जायसवाल जी हंडिया तहसील सचिव, श्री अरुण कुमार केसरवानी जी सहसचिव हंडिया विधानसभा, नीरज जायसवाल जी सहसचिव हंडिया, श्री शुभम सेठ जी, श्री प्रवीण जयसवाल जी, श्री मुलायम जी, मोहम्मद इमरान भाई जी, श्री सत्यदेव केसरवानी जी, विनोद केसरवानी जी,श्री सचिन केसरवानी जी, श्री जितेंद्र यादव जी,श्री आशुतोष जी,श्री दीपू सोनी, सांइस लर्निंग प्वाइंट के डायरेक्टर श्री मनोज केसरवानी सर जी द्वारा सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दिये, साथ ही कार्यक्रम का समापन जिलाध्यक्ष जूही श्रीवास्तव जी द्वारा किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री श्याम बाबू केसरवानी जी एवं कार्यक्रम संचालन श्री रतनेश जायसवाल जी द्वारा किया गया।

धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। मिर्जामुराद थाना परिसर में प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार सिंह द्वारा ध्वजारोहण किया गया। वहीं क्षेत्र स्थित काशी इस अवसर पर क्षेत्र के रखौना गाँव स्थित स्वाभिमान स्थल पर विधानसभा सेवापुरी के विधायक नील रतन सिंह पटेल ने ध्वजा रोहण कर देश प्रेम का पाठ पढ़ाया।

इंस्टीट्यूट ऑफ टेकनेलॉजी के उपनिदेशक डॉ. एके यादव व काशी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी निदेशक डॉ. आशुतोष मिश्रा द्वारा ध्वजारोहण किया गया आजादी के 75वें स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित अमृत महोत्सव कार्यक्रम हर्षोल्लास मनाया गया। मिर्जामुराद थाना परिसर में प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार सिंह द्वारा ध्वजारोहण किया गया वही क्षेत्र स्थित काशी इंस्टीट्यूट ऑफ टेकनेलॉजी के उपनिदेशक डॉ. एके यादव व काशी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी निदेशक डॉ. आशुतोष मिश्रा द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

लोहिया नगर वार्ड

(आधुनिक समाचार सेवा)
लखनऊ। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत हरघरतिरंगाअभियान के तहत लोहिया नगर वार्ड लखनऊ में माननीय पार्षद महोदया मिथिलेश चौहान जी द्वारा पद यात्रा रैली का आयोजन किया गया जिसमे लोहिया नगर वार्ड के क्षेत्र वासियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

एसपी हेमराज मीणा के कुशल निर्देशन में एसओजी प्रभारी सिद्धार्थ सिंह को मिली बड़ी सफलता

(आधुनिक समाचार सेवा)
कौशांबी। महिला बैंक प्रबंधक पर एसिड हमला करने वाले दो आरोपियों को एसओजी टीम व चरवा पुलिस ने मुठभेड़ में किया गिरफ्तार, आरोपी एसओजी प्रभारी सिद्धार्थ सिंह के बुलेट प्रूफ जैकेट में चलाई थी गोली, एसओजी प्रभारी के जवाबी कार्रवाई में आरोपियों के पैर में लगी गोली, बीते दिनों चरवा थाना क्षेत्र के अंतर्गत एसिड कांड की घटना को दिया था अंजाम, दोनो आरोपियों को गूंगवा बाग के नोहरी के पुरवा के पास एसओजी टीम ने मुठभेड़ में किया गिरफ्तार। दोनो आरोपी दिलीप पुत्र विसुन निवासी रामपुर थाना चरवा व दूसरा मान सिंह पुत्र मोहीलाल लाल निवासी कंठ गांव थाना पिपरी कौशांबी जनपद के थे निवासी। दोनो आरोपियों के विरुद्ध चरवा थाना थाना में संबंधित मुकदमा था दर्ज ।

जन शिक्षण संस्थान में मनाया गया अमृत महोत्सव

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। जन शिक्षण संस्थान कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के सरपतहिया केंद्र पर आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत विभाजन विभीषिका दिवस (प्रोजेक्टर के माध्यम से) एवं स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया।कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि वायुसेना सेवा निवृत एस. के. चटर्जी ने भारत के गौरवशाली इतिहास को बताया। संस्थान निदेशक प्रियंका सिंह ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव हर 25 साल मे मनाया जाता है कार्यक्रम में संस्थान के अधिकारी गण मीरा सिंह ,रुपेश सिंह, धीर सिंह यादव, रवि शर्मा ने अपने अपने विचार रखे कार्यक्रम में कई बुद्धिजीवी लोग एवं प्रशिक्षण ले रही महिलाओ एवं बालिकाओं की उपस्थिति रही जिसमे मुख्य रूप से बी. के. तिवारी,(भा ज पा मंडल मंत्री नैनी)ओम प्रकाश मिश्रा(,भाज पा मंडल मंत्री नैनी) रमेश मौर्या, संदीप श्रीवास्तव एस. के. पचौ री, गोविन्द चौहान, जी जी अग्रवाल एस बी पी सिन्हा, संजीव सक्सेना, सपना, पूजा, सन्हा, वर्तिका ,कांति, सदीना, संजना ,अंशिका, दिया आदि लोग मौजूद रहे अन्त मे कार्यक्रम का समापन केन्द्र की संचालिका जूही सक्सेना के धन्यवाद ज्ञापन से राष्ट्रगान के साथ सम्पन्न हुआ

कुटुंब वेलफेयर सोसाइटी के मुख्य कार्यालय पर 15 अगस्त को अमृत महोत्सव कार्यक्रम के संबंध में बैठक संपन्न हुई

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। नारायण वाटिका प्रयागराज में दोपहर 12:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक चलने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के संबंध में चर्चा हुई कुटुंब अध्यक्ष जूही जायसवाल ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में एडीजी जोन प्रेम प्रकाश जी और विशिष्ट अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री नंदी जी, मेयर अभिलाषा जी, सांसद केसरी देवी ,के साथ-साथ मुरारी लाल अग्रवाल जी, एमएलसी केपी श्रीवास्तव जी, कौशल्या नंदगिरी, कृतिका अग्रवाल,आई जी राकेश सिंह, डीएफओ महावीर जी, विजय अरोड़ा सहित शहर के कई विशिष्ट नागरिक अतिथि के रुप में शिरकत करेंगे बैठक में 15 अगस्त को होने वाले अमृत महोत्सव में शैक्षिक रक्तदान शिविर निशुल्क विधिक सहायता शिविर व स्वास्थ्य मेले और कुटुंब हाट के साथ होने वाले विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवम् 500 पौधों के वितरण एवं अपनी पाठशाला में प्रथम आए बच्चों को प्रशस्ति पत्र दिए जाने के संबंध में संस्था के सदस्यों को जिम्मेदारियां सौपी गई बैठक में प्रमुख रूप से डॉ सचिन प्रकाश ,अमरेश जायसवाल, अनिमेष अग्रवाल, संजीव चावला, सुधांशु अग्रहरी ,कुलदीप सिंह ,रागिनी पाठक ,राजेश जायसवाल ,इमरान अहमद, सलमान अहमद, सहित कई सदस्यों की उपस्थिति रही।

मानसरोवर का सम्मान समारोह एवं कवि गोष्ठी संपन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। 15 अगस्त 2022, को मानसरोवर साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था द्वारा राजीव नगर कानपुर,स्थित अभिनव संस्थान के आडीटोरियम,में संपन्न एक कार्यक्रम में नोयडा के डॉ.संजीव कुमार को महाकवि कालिदास सम्मान नवगीतकार जयराम जय को मैथिली शरण गुप्त सम्मान, सुधीर कुमार निगम को भारतेंदु हरिश्चंद्र सम्मान तथा श्यामसुन्दर श्रीवास्तव कोमल भिंड (म.प्र.) को काव्य गौरव सम्मान से अलंकृत किया। प्रेम शंकर शुक्ला फ़ाउंडेशन द्वारा डा. संजीव कुमार द्वारा सौ से अधिक पुस्तकें लिखने के मान स्वरूप कानपुर रतन सम्मान से विभूषित किया गया डॉ. संजीव द्वारा संपादित एक काव्यकृति अनल ग्रंथावली का विमोचन भी हुआ। इस अवसर पर संपन्न काव्य संध्या में डॉ. संजीव कुमार ने कहा कि रोटी कपड़ा और मकान वे अलावा प्यार जिंदगी की चौथी सबसे महत्वपूर्ण ज़रूरत है उनका गीत प्यार गर मर जाएगा फिर क्या यहाँ रह जाएगा बहुत

पसंद किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री शिव कुमार सिंह कुंवर ने तथा संचालन जयराम जय ने किया काव्य संध्या का प्रारंभ मनीष मीत की वाणी वंदना हुआ,विशिष्ट अतिथि श्याम सुंदर श्रीवास्तव कोमल के साथ सुभाष शर्मा, विद्याशंकर पथिक, देवेंद्र सफल, मनीष रंजन, वीना उदय,यज्ञदत प्रशांत, राजेंद्र तिवारी, अरुण तिवारी,दिनेश नीरज,अजय कृष्ण मदहोश,मनी मलंग, शशांक साक्षर, श्रवण गुप्ता,नीलू श्रीवास्तव, लाल सिंह यादव,डा.मंजू श्रीवास्तव, नेम कुमार, इरशाद कानपुरी,राम सिंह विकल, प्रतीश, अनुराग मुकुन्द,अनुज मनमीत, अचानक जीआदि ने अपनी कविताओं से कविता के विविध रंग बिखेरे। लगभग तीन घंटे चले कार्यक्रम में शैलेन्द्र शर्मा,मुरली कबीर डा.राधा शाक्य,सुरेश साहनी,सुषमा सिंह,मधु मोहिल,डा. मनोरमा,सुश्री कामिनी,डा.अर्चना दीक्षित, आलोक शुक्ला,आयुश शुक्ला, संजय बाजपेयी,डॉ.अखण्ड प्रकाश,सुश्री हितप्रभा, मनेश शतदल,अंश श्रीवास्तव,उदय प्रताप सिंह व जय सिंह यादवआदि विशेष रूप से उपस्थित थे।

देश के सेना-सुरक्षा बल का जवान अपनी कर्तव्यनिष्ठा से अपना अतुलनीय योगदान दे रहे हैं-मण्डल रेल प्रबंधक

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल पर स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगाँठ के अवसर पर स्वतंत्रता दिवस समारोह पूरी भव्यता एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय ने रेलवे मिनी स्टेडियम लहरतारा में आयोजित भव्य समारोह में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली।समारोह में रेलवे सुरक्षा बल,सेंट जान्स एम्बुलेंस,मंडल कला समिति व पूर्वोत्तर रेलवे भारत स्काउट एण्ड गाइड जिला संघ की टुकड़ियों ने भाग लिया। समारोह मे परेड की सलामी के पश्चात मंडल रेल प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय ने स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगाँठ की सभी को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि 75 वर्ष पूर्व हमारा देश आज ही के दिन स्वतंत्र हुआ और हमें अंग्रेजी दासता से मुक्तिमिली थी।मैं देश की स्वतंत्रता हेतु अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों एवं देशभक्तों को नमन करता हूँ। इस राष्ट्रीय पर्व पर मैं सीमा पर तैनात सेना एवं सुरक्षा बल के जवानों के पराक्रम एवं कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करता हूँ, जो विषम परिस्थितियों में भी देश की एकता एवं अखण्डता को अक्षुण्य बनाये रखने में अपना अतुलनीय योगदान दे रहे हैं। इस अवसर पर वाराणसी मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा) ज्ञानेश त्रिपाठी,अपर मंडल प्रबंधक(परिचालन) श्री एस पी एस यादव,अपर मंडल रेल प्रबंधक(प्रशासन)राहुलश्रीवास्तव , मंडल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती सुजाता पाण्डेय एवं कार्यकारिणी की सदस्याएं व सभी शाखा अधिकारी सहित मंडल कार्यालय पर कार्यरत कर्मचारीगण उपस्थित रहे थे। स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ को पूरा देश आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में मना रहा है। इस अवसर पर वाराणसी मंडल पर भी अनेक कार्यक्रम किये जा रहे है।जिसके अन्तर्गत 18 से 23 जुलाई तक आजादी की रेलगाड़ी और स्टेशन थीम पर आइकॉनिक सप्ताह मनाया गया। देश में स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े 75 रेलवे स्टेशनों को इस महोत्सव

हेतु नामित किया गया, जिनमें वाराणसी मंडल के 02 स्टेशन चौरीचौरा एवं बलिया भी सम्मिलित थे।आइकॉनिक सप्ताह के अन्तर्गत इन दोनों स्टेशनों पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं उनके स्वजनों को सम्मानित कर कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ ही लड़ाई में इन क्षेत्रों के अतुलनीय योगदान को नुक्कड़ नाटक, देशभक्ति गीत, वीडियो फिल्म, फोटो प्रदर्शनी, सेल्फी प्वाइन्ट के माध्यम से दर्शाया गया। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर रेलवे सुरक्षा बल वाराणसी के जवानों द्वारा मंडल पर जागरूकता अभियान, स्वच्छता अभियान,जल-सेवा एवं मोटरसाईकिल रैली का आयोजन कर आजादी के अमृतमहोत्सव को यादगार बनाया गया है।देश की एकता एवं अखण्डता के प्रति निष्ठा व्यक्त करने हेतु भारतीय रेल के 75 व्यस्ततम स्टेशनों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के क्रम में अब तक वाराणसी मंडल के 12 स्टेशनों पर 100 फीट ऊँचे राष्ट्रीय ध्वज लगाये गये है। एक स्टेशन एक उत्पाद का पायलट प्रोजेक्ट वाराणसी मण्डल के बनारस स्टेशन से दिनांक 25.03.22को शुभारम्भ हुआ । वर्तमान में एक स्टेशन एक उत्पाद योजना के अंतर्गत 09 स्टेशनों पर 10 स्थानीय उत्पादों की बिक्री की जा रही है, जिस कारण समाज के जमीनी स्तर के वास्तविक उद्यमियों को अपने उत्पादों को बढावा देने एवं आय का स्त्रोत अर्जित करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है ।इस योजना के अंतर्गत प्रथम चरण में वाराणसी मण्डल द्वारा 21 स्टेशनों पर स्थाई स्टाल का निर्माण कराया जा रहा है, जो सितम्बर में चालू हो जाएगा। पूर्वोत्तर रेलवे का वाराणसी मंडल अपने 204 स्टेशनों के माध्यम से यात्रियों को सुरक्षित, संरक्षित एवं आरामदायक यात्रा सुविधा उपलब्ध करा रहा है। हम पूर्वोत्तर रेलवे की आधारभूत संरचना एवं कार्यप्रणाली का आधुनिकीकरण कर यात्रियों को बेहतर एवं द्रुतगामी सुविधा प्रदान के लिये निरन्तर प्रयासरत है। कोरोना संक्रमण से उत्पनन प्रतिकूल परिस्थितियों में भी हमारे रेलकर्मियों ने देश सेवा में अतुलनीय योगदान दिया है। पहले बनारस स्टेशन के शान के अनुरूप वहाँ से ट्रेनों का परिचालन नहीं हो रहा था । इस वित्त वर्ष में चार जोड़ी अतिरिक्त ट्रेनों का परिचालन यहाँ से प्रारम्भ हो चुका है तथा चार जोड़ी और ट्रेनों का परिचालन प्रारम्भ होने वाला है । इन सबके साथ बनारस स्टेशन के भव्यता को मेन्टेन करना हम सबका उत्तरदायित्व है। अशोक कुमार जन संपर्क अधिकारी वाराणसी के अनुसार इस राष्ट्रीय स्वाधीनता दिवस के अवसर पर मंडल कला समिति द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतिकरण एवं भारत स्काउट एण्ड गाइड जिला संघ के स्काउट एण्ड गाइडों ने स्वच्छता पर नुक्कड़ नाटक का मंचन कर उपस्थित कर्मचारियों को स्वच्छता कायम रखने हेतु अप्रोप्रियेट बिहेवियर अपनाने हेतु जागरूक किया।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विवण पाठ्यक्रर्मो की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफ्रिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभन्न पाठ्क्रमों में रिक्त की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्रः** सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रियाः** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयुः** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करेः** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है।
   नोटः आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पासः** सरकार द्वारा विद्यार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्तिः** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथिः 31 अगस्त 2022
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपल्बध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज
सम्पर्क सूत्रः– 7518828710, 9415608710, 6386474074, 9415608790

75 वर्षगांठ के अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा ध्वजारोहण किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। 15 अगस्त 2022 को स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय विनोद कुमार द्वारा पुलिस लाइन चुर्क, जनपद सोनभद्र में स्थित पुलिस कार्यालय पर ध्वजारोहण किया गया एवं राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देते हुए राष्ट्रगान की धुन के साथ स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ पर भारतवर्ष की आजादी के स्वर्णिम पल को याद किया गया तत्पश्चात पुलिस कार्यालयों के समस्त अधिकारी/कर्मचारीगणों को कर्तव्य निष्ठा की शपथ दिलाई गई इसके उपरान्त अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित समस्त पुलिस कर्मियों को मिष्ठान वितरित कर स्वतंत्रता दिवस की शुभकामानायें दी गयी ।

डीएवी पब्लिक स्कूल खडिया में आज 76 वा स्वतंत्रता दिवस आजादी के अमृत महोत्सव के साथ हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। डीएवी पब्लिक स्कूल खडिया में आज 76 वां स्वतंत्रता दिवस आजादी के अमृत महोत्सव के साथ हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया सर्वप्रथम मुख्य अतिथि महाप्रबंधक श्री राजीव कुमार जी ने प्राचार्या श्रीमती संध्या एल पांडे जी की अगुवाई में ध्वजारोहण कर तिरंगे झंडे को सलामी दी तदुपरांत राष्ट्रगान एवं सुभाष चंद्र बोस अमर रहे आदि नारों से वातावरण गुंजायमान हुआ इसके बाद मुख्य अतिथि महोदय ने सामूहिक दीप प्रज्वलित कर आजादी के अमृत महोत्सव के रूप में प्रस्तुत किए जाने वाले कार्यक्रमों का उद्घाटन किया इस अवसर पर मुख्य अतिथि सहित एस ओ (पी) खडिया प्रोजेक्ट श्री ए के टोपो, डिप्टी मैनेजर सीडी श्री राजाराम यादव तथा श्रमिक संगठन से धनेश प्रसाद तिवारी, चंद्रशेखर तथा ए के सिंह भी उपस्थित रहे अपने स्वागत भाषण के दौरान प्राचार्या श्रीमती संध्या एल पांडे जी ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई देते हुए तथा आजादी के अमृत महोत्सव पर प्रकाश डालते हु देशवासियों सहित सभी को बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने की प्रेरणा दी स्वागत गान के दौरान झूम झूम हर कली बार-बार कह चली आप जो पधारे तो महक उठी हर गली के माध्यम से जहां मुख्य अतिथि सहित सभी का अभिनंदन किया वही हिंदी और अंग्रेजी भाषण के माध्यम से शाश्वत प्रकाश शुक्ला तथा प्रिंसी ने मां भारती के अमर सपूतों की याद करते हुए देश की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान समूह नृत्य के माध्यम से जहां छात्रों ने मातृभूमि की वंदना करते हुए उसकी विशेषता का बखान किया वही देश भक्ति से जुड़े समूह गीत ने बहे खून मेरा चमन के लिए तथा हम सब भारतीय हैं के माध्यम से कर्तव्य बोध कराया जहां देश भक्ति के समूह नृत्य के माध्यम से

छात्राओं ने जौहर व्रत छोड़कर मैं तो योद्धा बन गई की सुंदर प्रस्तुति की वही यह देश है वीर जवानों का अलबेलों का मस्तानों का समूह नृत्य ने सबके मन को देशभक्त के प्रति आकर्षित किया मुख्य अतिथि ने शिक्षा सत्र 2021 - 22 के दौरान सीबीएसई बोर्ड की 12वीं परीक्षा में 90प्रतिश्त से ऊपर अंक प्राप्त करने वाले छात्र जिनमें कृष्णा जायसवाल 92.4 प्रतिशत, शुभम पांडे 92.8, आकृति 93.4 एवं प्रियंका सिंह ने 96 .6 प्रतिशत अंक तथा दसवीं परीक्षा में 90 से ऊपर अंक प्राप्त करने वाले छात्र जिनमें शाश्वत प्रकाश शुक्ला 90.4, अमित पाल 90.6 , ओम प्रकाश यादव 91.8, प्रत्यूष द्विवेदी 93, आर्यन तिवारी 94 तथा प्रांजल दुबे 95.2 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को उत्कृष्टता प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया, वही कक्षा 12वीं में शारीरिक शिक्षा तथा बायोलॉजी में शत प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र शुभम पांडे तथा प्रियंका सिंह की सराहना की तथा सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया त् तथा अपने संदेश में उन्होंने बताया कि हमें बदलती हुई टेकनेलॉजी के साथ परिवर्तन लाना है, बच्चे देश के भविष्य हैं साथ ही साथ वीर पुरुषों की याद दिलाते हुए सभी को कर्तव्य बोध भी कराया

जनपद में हर्षोउल्लास एवं गौरवपूर्ण ढंग से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस, विभिन्न कार्यक्रमों का किया गया आयोजन

कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी के द्वारा पुलिस लाइन में किया गया ध्वजारोहण

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। ध्वजारोहण के बाद कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी ने आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलन कर शुभारम्भ किया कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं उनके परिजनों, पुलिस शहीदों के परिजनों, खिलाडियों एवं साहित्यकारों सहित कुल मिलाकर 75 लोगों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर किया गया सम्मानित स्कूली बच्चों के द्वारा देश भक्ति से परिपूर्ण गीत, नाटक एवं नृत्य का किया गया प्रदर्शन जनपद में सोमवार को स्वतंत्रता दिवस हषीउल्लास एवं गौरवपूर्ण ढंग से मनाया गया। इस अवसर पर जनपद में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने ध्वजारोहण किया तथा वहां पर लगायी प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। झंडारोहण के बाद मा. मंत्री जी ने वहॉ पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलन कर शुभारम्भ किया। आयोजित कार्यक्रम में मंत्री जी एवं सांसदगण एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कायक्रमों में प्रतिभाग करने वाले स्कूलों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियो एवं उनके परिजनों, पुलिस शहीदों के परिजनों, खिलाडियों एवं ख्याति प्राप्त साहित्यकारों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुल 75 लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के बच्चों के द्वारा देश भक्ति से सम्बंधित गीत, नाटक एवं नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित लोगो को मंत्रमुग्ध कर दिए। कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले स्कूलों में सेंट एंथोनी, ज्वाल देवी, माधव ज्ञान केन्द्र, डी0पी0 गर्ल्स कालेज, बी0बी0एस0 इण्टर कालेज शिवकुटी, रानी रेवती देवी इण्टर कालेज, के0पी0 गर्ल्स कालेज सहित अन्य स्कूलों के द्वारा शानदार प्रस्तुति की गयी। इस अवसर पर मंत्री जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज के दिन भारत माता को अंग्रेजो की गुलामी से मुक्ति मिली थी। यह आजादी हमारे लिए बेशकीमती है। इस आजादी के लिए उमंग के साथ आजादी की 75वीं वर्षगाठ मना रहा है। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारे शौर्य और समृद्धि का प्रतीक है। इस अवसर पर स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए देशभक्ति से सम्बंधित कार्यक्रम की मंत्री जी ने तारीफ करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर

कितनी बहनों ने अपने भाई, कितनी ही माताओं ने अपने पुत्रों, कितनी ही पत्नियों ने अपने सुहाग, कितने बच्चों ने अपने पिता की कुर्बानी देते हुए देखा है और उसका दर्द सहा है। इन अमर शहीदों ने अपने प्राणों की आहूति देकर देश को आजाद कराया और हमें आजाद भारत में रहने का मौका दिया। ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को मैं सिर झुकाकर शत-शत नमन करते हुए उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्होंने कहा कि आज प्रयागराज शहर व गांव के कोने-कोने तक तिरंगा झण्डा लहरा रहा है। प्रधानमंत्री जी के आह्वाहन पर आज प्रत्येक भारतीय उत्साह एवं पर सांसद प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी, सांसद श्रीमती केशरी देवी पटेल, विधायक शहर उत्तरी हर्षवर्धन वाजपेयी, एमएलसी सुरेन्द्र चौधरी, मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत, एडीजी जोन प्रेम प्रकाश, आईजी राकेश सिंह, जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री, अधिकारी शिपू गिरि, परियोजना न अशोक कुमार मौर्या, जिला विकास अधिकारी भोलानाथ कनौजिया सहित अन्य मा0 जनप्रतिनिधिगण व विशिष्ट अतिथिगणों के अलावा स्कूली बच्चे एवं काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का ओजपूर्ण ढंग से संचालन डॉ0 प्रभाकर त्रिपाठी के द्वारा किया गया।

जनपद न्यायालय में माननीय प्रभारी जनपद न्यायाधीश ने किया ध्वजारोहण

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर माननीय प्रभारी जनपद न्यायाधीश आर के शुक्ल द्वारा ध्वजारोहण किया गया ।आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत हर घर झंडा कार्यक्रम की महत्ता को माननीय प्रभारी जनपद न्यायाधीश द्वारा समस्त न्यायिक अधिकारीगण कर्मचारीगण व षराविधिक स्वयं सेवक को बताया गया। इस अवसर पर शैलेंद्र श्रीवास्तव द्वारा देश भक्ति की कविता पाठ किया गया। मनीष निगम अपर जनपद न्यायाधीश द्वारा समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों को संबोधित करते हुए हर घर झंडा कार्यक्रम के महत्व को बताते हुए एक देश भक्ति गीत प्रस्तुत किया गया। नोडल अधिकारी श्रीमती निशा झा की अध्यक्षता में न्यायिक सेवा में कार्यरत प्राविधिक स्वयंसेवकों द्वारा जनपद न्यायालय से एक रैली निकाली गई जिसका शुभारंभ प्रभारी जनपद न्यायाधीश द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रश्मि सिंह एडीजे द्वारा किया गया। आजादी के अमृत महोत्सव के कार्यक्रम में पीठासीन अधिकारी परिवार न्यायालय पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण याचिका अध्यक्ष बार एसोसिएशन इलाहाबाद व अन्य न्यायिक अधिकारी कर्मचारी गण पर परा विधिक सेवक उपस्थित रहे ।यह जानकारी कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इलाहाबाद द्वारा प्रदान की गई।

ध्वजारोहण के बाद डाला पुलिस ने बाटी राहगीरों को मिठाईयां

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। स्वतंत्रता दिवस आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के साथ ही देश 76वां स्वतंत्रता दिवस डाला चौकी डाला बाजार नगर पंचायत , वनवासी पीजी महाविद्यालय, चूड़ी गली मोड़, आदि जगहों पर स्वतंत्रता दिवस के दिन आजादी की लड़ाई में देश के लिए कुर्बानी देने वाले वीर शहीदों को याद किया गया। हालांकि डाला चौकी इंचार्ज सुरेश चंद्र द्विवेदी द्वारा चौकी में झंडा की सलामी के बाद कुछ ऐसी कार्यक्रम को करने लगे जो डाला नगर वासियों के लिए मनमोहक का केंद्र बन गया डाला चौकी में स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर 76 वां स्वतंत्रता दिवस हषीउल्लास में मनाया गया। वही डाला में कई स्थानों पर इस बार शुभकामनाओं के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाते लोग दिखे। डाला चौकी इंचार्ज द्वारा हाईवे पर चार चक्का गाड़ियों, मोटरसाइकिल, ट्रकों , राहगीरों बच्चों, महिलाओं को मिठाइयां बांटी गयी। स्थानीयों ने बताया कि ऐसा डाला चौकी में पहली बार हुआ है। व्यपार मण्डल अध्यक्ष - मुकेश जैन ने बताया कि ऐसे नेक देश प्रेमी , सामजिक व्यक्तित्व वाले चौकी इंचार्ज को डाला बाजार नगर वासियों के तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं।

स्वतन्त्रता दिवस पर अमर शहीदों का स्मरण व नमन रेणुपावर प्लांट का आक्जूलरी पावर, रॉ वाटर आयल कन्जम्पसन ऐतिहासिक न्यूनतम-के0 पी0

(आधुनिक समाचार सेवा)

अनपरा। हिण्डालको रेणुसागर पावर डिवीजन रेणुसगार स्थित खचाखच भरे आदित्य बिड़ला इण्टरमीडिएट कालेज प्रागंण में आयोजित 76वें स्वतन्त्रता दिवस समारोह में भारत माता के वीर अमर शहीदों का स्मरण व नमन करते हुए समारोह के मुख्य अतिथि रेणुसागर पावर डिवीजन के अध्यक्ष ऊर्जा के0 पी0 यादव ने ध्वजारोहण किया, सामूहिक राष्ट्रगान के पश्चात् सुरक्षा विभाग के प्रमुख कर्नल जयदीप मिश्रा द्वारा मुख्य अतिथि को परेड का निरीक्षण कराया गया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों व सुरक्षा कर्मियों ने आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत कर मुख्य अतिथि को सलामी दी । अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि ने कहा कि कोयले की लगातार बढ़ती कीमतो के कारण विद्युत उत्पादन की लागत में निरन्तर वृद्धि हो रही है। वावजूद इसके हमारे सहकर्मियों की कड़ी मेहनत, लगन एवं सकरात्मक सोच का परिणाम है कि वित्तीय वर्ष 2021-22 प्लांट का आक्जूलरी पावर कन्जम्पसन 7.83 प्रतिशत, रॉ वाटर की खपत 2.36 लीटर प्रति यूनिट, आयल की खपत 0.20 मिली लीटर प्रति यूनिट, प्लांट की उर्जा खपत दर 2585 किलो कैलोरी प्रति यूनिट रही, जो कि रेणुपावर प्लांट मे अब तक का ऐतिहासिक न्यूनतम स्तर है। उन्हों ने कहा कि संस्थान अतिथि रेणुसागर पावर डिवीजन के अध्यक्ष ऊर्जा के0 पी0 यादव ने ध्वजारोहण किया, सामूहिक राष्ट्रगान के पश्चात् सुरक्षा विभाग के प्रमुख कर्नल जयदीप मिश्रा द्वारा मुख्य अतिथि को परेड का निरीक्षण कराया गया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों व सुरक्षा कर्मियों ने आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत कर मुख्य अतिथि को सलामी दी । अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि ने कहा कि कोयले की लगातार बढ़ती कीमतो के कारण विद्युत उत्पादन की लागत में निरन्तर वृद्धि हो रही है। वावजूद इसके हमारे सहकर्मियों की कड़ी मेहनत, लगन एवं सकरात्मक सोच का परिणाम है कि वित्तीय वर्ष 2021-22 प्लांट का आक्जूलरी पर्यावरण व सुरक्षा के प्रति के प्रति पूर्ण सजग है, हमारा संस्थान सामाजिक उत्तरदायित्वों को निभाते हुए ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आस-पास एवं दूर-दराज के अभावग्रस्त गाँवों में ग्रामीणों के उत्थान हेतु सक्रिय भूमिका निभा रहा है, इसी क्रम में दिशिता महिला मण्डल द्वारा महिला सशक्तिकरण एवं समाज सेवा के क्षेत्र में किये जा रहे उल्लेखनीय कार्य अत्यन्त सराहनीय एवं प्रशंसनीय हैं इसी कड़ी में संस्थान में कार्यरत कर्मियों को अच्छे कार्यों के लिये पुरस्कृत भी किया गया, अन्त में मुख्य अतिथि ने कहा कि हमारे संस्थान द्वारा किये गये उल्लेखनीय कार्यो हेतु संस्थान को विभिन्न अवार्ड प्राप्त हुए, इतना ही नही हमारे विद्यालय का परीक्षा परिणाम भी शत प्रतिशत रहा है। इसके लिये विद्यालय के प्राचार्य व बच्चों सहित उपस्थित अन्य सभी को स्वतन्त्रता दिवस की बधाई देता हूँ, तत्पचात मुख्य अतिथि द्वारा रेनूपावर चिकित्सालय में मरीजों को फल वितरित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रुप से दिशिता महिला मण्डल की अध्यक्षा इन्दू यादव, व महिला मंडल की बरिष्ठ सदस्याये, संजय सिंह, गुलसन तिवारी,सुदिप्ता नायक, अनिल सिघानिया, परेश ढोले मनु अरोरा, मनीष सिंह, समीर आनंद, कुमार हर्षबर्धन,संदीप यावले, रसीद शेख सहित सभी विभागों के विभागाध्यक्ष व मान्यता प्राप्त श्रम संगठनों के पदाधिकारी व विद्यालयों के प्राचार्य, अध्यापकगण उपस्थित थे । कार्यक्रम का संचालन पूनम तिवारी व गायत्री भारद्वाज ने किया तथा कार्यक्रम का समापन शैलेश विक्रम सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

मारकुंडी के प्रधानपती ने नाली सफाई की शिकायत पर कहा, मुझे यहां से वोट नही मिला है , विकास कैसा

बारिश का पानी नाली से न निकलने के कारण ग्रामीण परेशान

(आधुनिक समाचार सेवा)

डाला (सोनभद्र)। विकास खंड चोपन अंतर्गत ग्रामपंचायत बिल्ली मारकुंडी के वार्ड 5 में बारिश के बाद पानी न निकलने से पानी घरों में घुसने लग रहा है । जिसकी शिकायत स्थानीय बाड़ी निवासियों द्वारा कई बार ग्रामप्रधान बिल्ली मारकुंडी को किया गया। परंतु वे यह कह कर टाल देते है कि बस्ती वालों के ओट से हम नही जीते। इसलिए यहां का विकास हम नही करेंगे। समाजवादी विचार धारा से ओत प्रोत ग्राम प्रधान केवल अपनी मनमानी करने में लगे है। घंटे भर की बारिश से नई बस्ती के लोग व्याकुल तब हो गए जब पानी बरसते ही घरों में पानी लगना सुरु हो गया। राहगीर रास्ते बदल कर अपने घरों में जाने को मजबूर हो गए । वही घरों के दरवाजे तक लगभग कही 1 फिट तो कही 2 फिट पानी जमा हो गए। ग्राम पंचायत बिल्ली मारकुंडी के वार्ड नंबर 5 में बारिश की पानी घर मे घुसने से लोग भयभीत हैं। एक तो खनन क्षेत्र से दहलने वाली दीवारे अपनी कमजोरी पर मंडरा रहे हैं। वही ग्राम प्रधान बिल्ली मारकुंडी के प्रधान पति को यहां की समस्या दिखाई नही दे रही हैं। वार्ड 5 में बाड़ी सेवासदन बस्ती निवासियों ने जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराया हैं कि नाली की सफाई करवाते हुए हम सभी को बीमारीयो से बचाया जाए।

लॉस एंजेलिस में नहीं तो ब्रिस्बेन ओलंपिक में शामिल हो सकता है क्रिकेट, जानें ऑस्ट्रेलिया का प्लान

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। ब्रिस्बेन से पहले 2028 में लॉस एंजेलिस में होने वाले ओलंपिक में क्रिकेट को जगह मिल सकती है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने क्रिकेट को समीक्षा खेलों में शामिल कर लिया है। यह खेल 128 साल बाद ओलंपिक में दिख सकता है। हालांकि, उसे अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) से इसके लिए मंजूरी लेनी होती है। समीक्षा खेलों में क्रिकेट ब्रिस्बेन से पहले 2028 में लॉस एंजेलिस में होने वाले ओलंपिक में क्रिकेट को जगह मिल सकती है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल करने का फैसला अगले साल मुंबई में हो सकता है। मुंबई 30 मई से एक जून 2023 तक आईओसी सत्र की मेजबानी करेगा। आईओसी ने इस साल के शुरू में कहा था कि लॉस एंजेलिस में 28 खेलों को शामिल किया जाएगा। युवाओं को ध्यान में रखते हुए कुछ खेलों को रखा जा सकता है। क्रिकेट को कई मानदंडों पर खरा होना होगा ओलंपिक में शामिल होने के लिए खेलों को कुछ मानदंडों पर खरा होना होता है। इसमें सबसे बड़ी चीज है लागत और जटिलता कम होना। इसके अलावा खिलाड़ियों के स्वास्थ्य, वैश्विक अपील, मेजबान देश का हित, लैंगिक समानता, युवा प्रासंगिकता और दीर्घकालिक स्थिरता को भी देखा जाता है। राष्ट्रमंडल खेलों में क्रिकेट की हो रही तारीफ बर्मिंघम में चल रहे राष्ट्रमंडल खेलों में महिला क्रिकेट को शामिल किया गया है। मैचों के दौरान दर्शकों की बड़ी संख्या देखने को मिल रही है। इससे आईसीसी उत्साहित है। ओलंपिक में सिर्फ महिला नहीं, बल्कि पुरुष टीम को भी शामिल होना पड़ेगा।

सकता है क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल करने की कोशिश तेज हो गई है। कहा जा रहा है कि लॉस एंजेलिस में होने वाले 2028 ओलंपिक में क्रिकेट को जगह मिल सकती है। 2028 के बाद 2032 में ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में ओलंपिक खेलों का आयोजन होगा। अगर लॉस एंजेलिस में क्रिकेट को शामिल नहीं किया जाता है तो क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ब्रिस्बेन में इस खेल को शामिल करने की योजना बना रहा है। ईएसपीएन क्रिकइंफो की एक रिपोर्ट के अनुसार, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने ब्रिस्बेन ओलंपिक खेलों को लेकर अपनी योजना का खुलासा किया है। वह क्रिकेट को ओलंपिक में रखने के लिए पूरा प्रयास करेगा। दरअसल, नियम यह है कि ओलंपिक खेलों का आयोजन करने वाला शहर किसी नए खेल को शामिल कर सकता

पीटरसन ने हिंदी में दी शुभकामनाएं तो शुरू हो गया विवाद, जानें पूरा मामला

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पीटरसन अक्सर भारत से जुड़े मामलों पर हिंदी में ट्वीट करते हैं, लेकिन स्वतंत्रता दिवस से जुड़े उनके ट्वीट ने विवाद को जन्म दे दिया। हालांकि, पीटरसन ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कई विदेशी खिलाड़ियों ने भी भारतवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। इंग्लैंड के केविन पीटरसन भी इनमें से एक हैं। हालांकि, पीटरसन ने बाकी खिलाड़ियों से अलग जाकर हिंदी में ट्वीट किया है। यह पहला मौका नहीं है, जब पीटरसन ने भारत से जुड़ा कोई ट्वीट हिंदी में किया है। वो इससे पहले भी कई बार हिंदी में ट्वीट कर चुके हैं, लेकिन उनके इस ट्वीट ने विवाद को जन्म दे दिया है। सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने कहा है कि भारत में भी सभी लोग हिंदी नहीं जानते हैं। ऐसे में अंग्रेजी में ट्वीट करना ज्यादा बेहतर था। हालांकि, भारतीय फैंस ने पीटरसन की इस भावना की तारीफ की है और उनके हिंदी में ट्वीट करने पर सराहना की है। एक यूजर ने पीटरसन की हिंदी पर भी सवाल खड़े किए है और उनसे कहा है कि गूगल ट्रांसलेट की बजाय हिंदी के किसी जानकार की मदद लें और सही भाषा में ट्वीट करें। वहीं बाकी फैंस ने उनकी भावना की तारीफ की है।

क्यों शुरू हुआ विवाद पीटरसन अक्सर भारत से जुड़े मामलों पर हिंदी में ट्वीट करते हैं और यह भारतीयों को काफी पसंद भी आता है। इस बार एक यूजर ने कहा कि भारत में भी सभी लोगों को हिंदी नहीं आती। ऐसे में वो अंग्रेजी में ट्वीट करते तो बेहतर रहता। यहीं से भाषा विवाद शुरू हो गया और कई लोगों ने पीटरसन के समर्थन में ट्वीट किए। वहीं, कुछ लोगों ने उनका विरोध भी किया। हालांकि, पीटरसन ने इस मामले में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। भारत के अधिकतर राज्यों में हिंदी को समझा और बोला जाता है, लेकिन कुछ राज्यों में क्षेत्रीय भाषाओं का इस्तेमाल ज्यादा होता है। खासकर दक्षिण भारतीय राज्यों में हिंदी से ज्यादा लोगों को अपनी क्षेत्रीय भाषाएं पसंद है। इसी वजह से हिंदी अब तक भारत की राष्ट्रभाषा नहीं बन पाई है। यहां भी विवाद इसी वजह से शुरू हुआ। भारत के ही कुछ लोगों ने पीटरसन के ट्वीट पर हिंदी की बजाय अंग्रेजी में ट्वीट करने की बात कही और पूरे मामले की शुरुआत हुई। पीटरसन ने अपने ट्विटर अकाउंट से संदेश देते हुए लिखा, 75वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं, भारत। गर्व करो और लंबा खड़े रहो। आप सभी के लिए एक बेहतर कल का निर्माण कर रहे है।ठ इस पर एक यूजर ने पीटरसन की हिंदी सही करते हुए लिखा 75वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं, भारत । गर्व करो और मजबूती के साथ डटे रहो। आप सभी के लिए एक बेहतर कल का निर्माण कर रहे है!

टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे में मनाया स्वतंत्रता दिवस, बीसीसीआई ने शेयर की फोटो

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भारत की आजादी के 75 साल पूरे हो चुके हैं और पूरा देश स्वतंत्रता दिवस का जशन मना रहा है। हालांकि, भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी अभी भी देश के लिए अपने काम में जुटे हुए हैं और 18 अगस्त से शुरू हो रही वनडे सीरीज की तैयारी कर रहे हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन वनडे की सीरीज खेलने के लिए भारतीय टीम हरारे में अभ्यास कर रही है। सभी खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ ने यहां स्वतंत्रता दिवस का जशन मनाया। बीसीसीआई ने भारतीय टीम की फोटो भी शेयर की है, जिसमें सभी खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ नजर आ रहे हैं। भारतीय टीम ने इससे पहले जिम्बाब्वे में अभ्यास करते हुए भी फोटो शेयर की थी। इस सीरीज के बाद भारत को एशिया कप खेलना है और वनडे सीरीज में सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। शुभमन गिल ने भी अभ्यास सत्र के दौरान जमकर प्रैक्टिस की थी। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में पारी की शुरुआत की थी और अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन लोकेश राहुल की वापसी के बाद उन्हें तीसरे नंबर पर खेलना पड़ सकता है। अभ्यास सत्र में शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे गेंदबाजों ने जमकर मेहनत की थी। ये सभी गेंदबाज मुख्य टीम का नियमित हिस्सा नहीं हैं, लेकिन आने वाले समय में अपनी जगह पक्की कर सकते हैं।

फ्लेमिंग को बनाया जोहानिसबर्ग सुपरकिंग्स का कोच, डुप्लेसिस कप्तान, देखें पूरी लिस्ट

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। डुप्लेसिस ने चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए 100 मैच खेले हैं। वह 2011 से 2015 और 2018 से 2021 तक टीम के साथ थे। 2022 में हुई आईपीएल नीलामी में चेन्नई ने उन्हें नहीं खरीदा था। डुप्लेसिस को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने अपनी टीम में लेकर उन्हें कप्तान बनाया। चेन्नई सुपरकिंग्स ने अपने पुराने खिलाड़ी फाफ डुप्लेसिस को बड़ी जिम्मेदारी दी है। उसने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के टी20 लीग में डुप्लेसिस को अपनी टीम जोहानिसबर्ग सुपरकिंग्स का कप्तान बनाया है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान डुप्लेसिस को फ्रैंचाइजी ने डायरेक्ट साइनिंग के जरिए अपनी टीम में शामिल किया है। वहीं, चेन्नई सुपरकिंग्स के कोच स्टीफन फ्लेमिंग अब जोहानिसबर्ग सुपरकिंग्स में कोच की भूमिका निभाएंगे। डुप्लेसिस ने चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए 100 मैच खेले हैं। वह 2011 से 2015 और 2018 से 2021 तक टीम के साथ थे। 2022 में हुई आईपीएल नीलामी में चेन्नई ने उन्हें नहीं खरीदा था। डुप्लेसिस को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने अपनी टीम में लेकर उन्हें कप्तान बनाया। सीएसके ने जोहानिसबर्ग सुपरकिंग्स में मोईन अली को भी शामिल किया है। मोईन 2021 से सीएसके के साथ हैं। जोहानिसबर्ग फ्रेंचाइजी ने श्रीलंका के ऑफ स्पिनर महीश तीक्षणा, वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर रोमारियो शेफर्ड और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज गेराल्ड कोत्जे को भी टीम में शामिल किया है। खिलडियों के अलावा कोचिंग स्टाफ में चेन्नई सुपरकिंग्स के कई पुराने खिलाडियों को चुना गया है। स्टीफन फ्लेमिंग मुख्य कोच होंगे। वहीं, एरिक सिमंस सहायक कोच बनाए गए हैं। ईएसपीएन क्रिकइंफो के मुताबिक, फ्रेंचाइजी दक्षिण अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर एल्बी मोर्कल को भी टीम से जोड़ने की कोशिश में है। वह कोचिंग स्टाफ सदस्य हो सकते हैं।

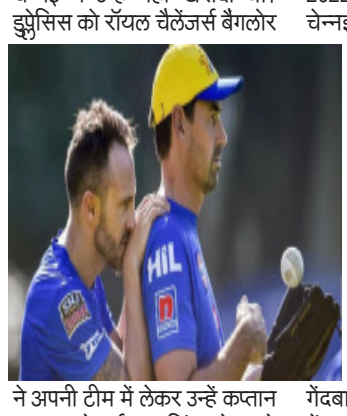

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के अवॉर्ड समारोह में छाए रबाडा और मार्करम जानें किसे मिला कौन-सा पुरस्कार

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। रबाडा को टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया है। वहीं, वनडे में यह अवॉर्ड यानेमन मलान और टी20 में एडेन मार्करम को दिया गया। केशव महाराज को सबसे बड़ा पुरस्कार दिया गया। उन्हें मेंस प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने सोमवार (15 अगस्त) को अपने सलाना अवॉर्ड की घोषणा की। इसमें तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा, बल्लेबाज एडेन मार्करम और स्पिनर केशव महाराज का जलवा देखने को मिला। रबाडा को टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया है। वहीं, वनडे में यह अवॉर्ड यानेमन मलान और टी20 में एडेन मार्करम को दिया गया। केशव महाराज को सबसे बड़ा पुरस्कार दिया गया। उन्हें मेंस प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने सोमवार (15 अगस्त) को अपने सलाना अवॉर्ड की घोषणा की। इसमें तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा, बल्लेबाज एडेन मार्करम और स्पिनर केशव महाराज का जलवा देखने को मिला। रबाडा को टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया। पिछले साल के विजेताओं में किसी को भी इस बार अवॉर्ड नहीं मिला। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मार्को यानसेन को 'न्यूकमर अवॉर्ड' दिया गया। वहीं, विस्फोटक बल्लेबाज डेविड मिलर को 'फैंस प्लेयर ऑफ द इयर' चुना गया। महिलाओं में आयाबोंगा खाका को प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड दिया गया। एल. वोलवार्ड को वनडे के लिए यह पुरस्कार दिया गया। लिजेली ली को टी20 वुमन्स प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया। उन्होंने हाल ही में टी20 से संन्यास लिया है। आयाबोंगा खाका और केशव महाराज 'प्लेयर्स नॉमिनेशन फॉर प्लेयर ऑफ द ईयर' भी जीतने में सफल रहे। रबाडा की बात करें तो उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के लिए पिछले आठ टेस्ट मैचों में 43 विकेट लिए हैं। इस दौरान भारत के खिलाफ एक मैच में सात और न्यूजीलैंड के खिलाफ आठ विकेट भी झटके थे। दक्षिण अफ्रीका की टीम भारत, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज जीतने में सफल रही थी। वहीं, महाराज ने तीनों फॉर्मेट में पिछले एक साल में 71 विकेट लिए। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका अवॉर्ड 2021-22 प्लेयर ऑफ द इयर (पुरुष): केशव महाराज प्लेयर ऑफ द ईयर (महिला): आयाबोंगा खाका टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर: कगिसो रबाडा वनडे प्लेयर ऑफ द इयर (पुरुष): यानेमन मलान वनडे प्लेयर ऑफ द इयर (महिला): एल. वॉलवॉर्ड टी20 प्लेयर ऑफ द ईयर (पुरुष): एडेन मार्करम टी20 प्लेयर ऑफ द इयर (महिला): लिजेली ली मखाया एंटिनी पावर ऑफ क्रिकेट अवॉर्ड: नोनकुलूलेको मलाबा फैंस प्लेयर ऑफ द ईयर: डेविड मलानन्यूकमर ऑफ द इयर: माकी यानसेन।

जिम्बाब्वे में धोनी, कोहली और सचिन को पीछे छोड़ सकते हैं धवन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। राहुल के निशाने पर यह रिकॉर्डइस सीरीज में टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज शिखर धवन और कप्तान केएल राहुल सहित कई खिलाडियों की नजर रिकॉर्ड बनाने पर है। धवन के पास सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली, महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ने का मौका है। भारतीय टीम तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए जिम्बाब्वे के दौरे पर है। दोनों टीमें गुरुवार (18 अगस्त) को पहला वनडे मैच हरारे के हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेलेगी। इस सीरीज में टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज शिखर धवन और कप्तान केएल राहुल सहित कई खिलाडियों की नजर रिकॉर्ड बनाने पर है। धवन के पास सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली, महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ने का मौका है। सीरीज के तीनों मैच हरारे में ही खेले जाएंगे। इस मैदान पर धवन अब तक तीन पारियों में 168 रन बना चुके हैं। 116 रन उनका उच्चतम स्कोर है। उन्होंने 56 के औसत से रन बनाए हैं। धवन के पास हरारे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बनने का मौका है। इसके लिए उन्हें तीन वनडे में कुल 202 रन बनाने होंगे। फिलहाल यह रिकॉर्ड अंबाती रायुडू के नाम है। उन्होंने सात पारियों में 369 रन बनाए हैं। रायुडू का औसत 123 का रहा है। उन्होंने एक शतक और दो अर्धशतक लगाए हैं। धवन से आगे राहुल सिर्फ धवन के पास ही रायुडू को पीछे छोड़ने का मौका नहीं होगा। उनसे आगे केएल राहुल हैं। राहुल ने तीन पारियों में 196 रन बनाए हैं। उन्हें रायुडू से आगे निकलने के लिए 174 रन बनाने होंगे। इस सीरीज में भारत के दोनों ओपनर राहुल और धवन में यह दिलचस्प मुकाबला कि कौन हरारे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाला बल्लेबाज बनता है। केएल राहुल सीरीज में सात कैच लेते ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 कैच पूरे कर लेंगे।

उमरान मलिक को ग्लेन मैकग्राथ की सलाह

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। कहा- नियंत्रण पाने के लिए यह गलती मत करनाग्लेन मैकग्रा ने कहा है कि उमरान मलिक को नियंत्रण हासिल करने के लिए अपनी गति से समझौता नहीं करना चाहिए। 150 की गति से गेंदबाजी करने वाले खिलाड़ी बहुत कम मिलते हैं। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्रा ने कहा है कि जब तेज गेंदबाज अपनी गेंदबाजी में नियंत्रण हासिल करने के लिए अपनी गति से समझौता करते हैं तो उन्हें काफी बुरा लगता है। इसी के साथ ही उन्होंने भारत के उमरान मलिक की तारीफ करते हुए कहा है कि वो बहुत प्रतिभावान गेंदबाज है। उन्हें अपनी गेंदबाजी में नियंत्रण हासिल करने के लिए गति के साथ समझौता नहीं करना चाहिए। मैकग्रा के अनुसार किसी भी गेंदबाज को 150 की गति से गेंदबाजी करना नहीं सिखाया जा सकता। यह प्रतिभा स्वाभाविक होती है। एक स्पोर्ट्स वेबसाइट से बात करते हुए मैकग्रा ने कहा ठबहुत कम गेंदबाजों के पास इतनी गति के साथ गेंदबाजी करने की क्षमता होती है। आप किसी को 150 से अधिक गेंदबाजी करना नहीं सिखा सकते। कुछ खिलाड़ी स्वाभाविक रूप से ऐसा करने में सक्षम होते है। जब गेंदबाज नियंत्रण पाने के लिए अपनी गति से समझौता करते है तो मुझे यह देखकर नफरत होती है।

पाकिस्तान और भारत को आजादी की शुभकामनाएं देकर फंसे सैमी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। फैंस बोले- ये भेदभाव क्यों सैमी ने भारत से पहले पाकिस्तान को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी थीं। उन्होंने एक भारतीयों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी हैं, लेकिन इसी वजह से वो विवादों में आ गए हैं। सोशल मीडिया पर भारतीय फैंस ने जमकर उनकी क्लास लगाई है।

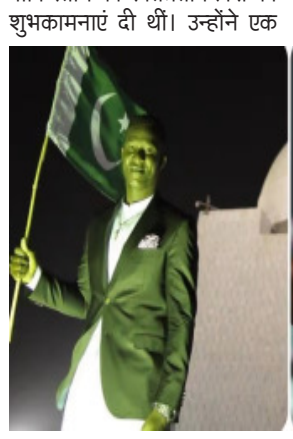

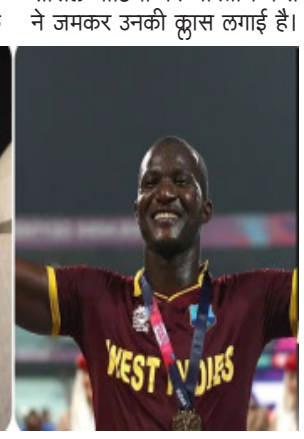

फोटो शेयर की थी, जिसमें उनके हाथ में पाकिस्तान का झंडा दिख रहा था। हालांकि, भारत के लिए उन्होंने ऐसा नहीं किया और भारतीय फैंस ने उनकी क्लास लगा दी। भारत की आजादी के 75 साल पूरे हो चुके हैं और 76वें स्वतंत्रता दिवस पर कई विदेशी खिलाडियों ने भी भारतीयों को शुभकामनाएं दी हैं। वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर डैरेन सैमी ने भी सभी सैमी ने भारत से पहले पाकिस्तान को भी स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी थीं। दोनों देशों को शुभकामनाएं देने में काफी अंतर था। इसी वजह से उन पर निशाना साधा जा रहा है। भारतीय फैंस ने सैमी से कहा है कि वो दोनों देशों को शुभकामनाएं देने में भेदभाव क्यों कर रहे हैं। वहीं, कुछ लोगों ने उनके पाकिस्तान प्रेम पर भी सवाल खड़े किए हैं। क्या है मामला भारत से पहले 14 अगस्त को पाकिस्तान में स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर सैमी ने अपनी एक फोटो शेयर की थी, जिसमें उनके हाथ में पाकिस्तान का झंडा दिखाई दे रहा है। इसके साथ ही उन्होंने लिखा था ठपाकिस्तान को 75वें स्वतंत्रता दिवस पर शुभकामनाएं। इसके बाद सैमी ने 15 अगस्त को भारतीयों को शुभकामनाएं देते हुए अपनी एक फोटो शेयर की, लेकिन इस बार उनके हाथ में भारत का झंडा नहीं था। यह फोटो वेस्टइंडीज के टी20 विश्व कप जीतने के बाद की थी। इसके साथ ही उन्होंने लिखा भारत को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं। वह जगह जहां मैंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। भारतीय फैंस को सैमी की यह पोस्ट पसंद नहीं आई और कई लोगों ने यह सवाल किया कि वो दोहरा रवैया क्यों अपना रहे हैं। वो पाकिस्तान के झंडे के साथ फोटो शेयर कर रहे हैं, लेकिन भारत का झंडा उनके हाथ में नहीं है। डैरेन सैमी आईपीएल में बहुत सफल नहीं रहे थे। इसके बाद उन्होंने पाकिस्तान सुपर लीग में खेलना शुरू कर दिया।

राशीफल

मेष-: परिवर्तन और आत्मनिरीक्षण इस अवधि के दौरान सफलता की कुंजी है। आज आपको गुणवत्ता और प्रदर्शन पर जोर देना होगा।

वृष-: आज आपको करियर के मामले में कोई बड़ी सफलता मिलेगी. कार्यक्षेत्र में धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आज आप कुछ ऐसे लोगों से जुड़ेंगे जो आपकी हर तरह से मदद के लिए तैयार रहेंगे।

मिथुन-: आज धार्मिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी. कुछ लोगों के लिए आकस्मिक यात्रा व्यस्त और तनावपूर्ण होगी। कार्यस्थल पर कार्यभार में तेजी से वृद्धि देखने को मिल सकती है।

कर्क-: आज आप अपने भविष्य और स्वास्थ्य को लेकर अधिक उत्सुक रहेंगे और सही लोगों से सलाह लेंगे. प्रचुर मात्रा में आर्थिक लाभ होने के संकेत हैं।

सिंह-: आज कार्यस्थल पर स्थिति अनुकूल रहेगी, लेकिन कुछ भी बोलते समय आपको सावधान रहना चाहिए. आप कुछ कहना चाहते हैं, लेकिन कुछ और कहेंगे। इससे आपके आसपास के लोगों को कुछ गलतफहमी भी हो सकती है।

कन्या-: आपका ज्ञान और हास्य आपके आसपास के लोगों को प्रभावित करेगा. आप अपनी मानसिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देख सकते हैं। यात्रा करने के लिए यह दिन आपके लिए बेहद खास रहने वाला है।

तुला-: लंबे समय से प्रतीक्षित कानूनी मामले का अचानक लिया गया फैसला आपको हैरान कर देगा। परिवार आपके लिए प्राथमिक है और आप उन्हें खुश करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।

वृश्चिक-: आज आपके वैवाहिक संबंधों के बीच की दूरियां खत्म होंगी. वहीं रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी, लेकिन किसी व्यावसायिक मामले को लेकर आप परेशान हो सकते हैं।

धनु-: आज आपको परिवार वालों का पूरा सहयोग मिलेगा. आपके लिए कुछ फैसलों में सटीकता हो सकती है। आत्मविश्वास से जोखिम भरे कार्यों में सफलता मिल सकती है।

मकर-: आज के दिन आप तर्क-वितर्क और जिद्दी हो सकते हैं. आप खुद को कठिन परिस्थितियों में पा सकते हैं। जहां तक हो सके वाद-विवाद से दूर रहें। परिवार के सदस्य तीर्थ यात्रा पर जा सकते हैं।

कुंभ-: आज आपको कार्यक्षेत्र में वृद्धि के कुछ नए अवसर प्राप्त होंगे. आपको उधार दिया हुआ पैसा अचानक वापस मिलेगा। जीवनसाथी के साथ डिनर कर सकते हैं। रिश्तों में सकारात्मकता आएगी।

मीन-: आज आपका दिन सुकून भरा रहेगा मनोरंजन और पढ़ाई के क्षेत्र में समय व्यतीत होगा. आपके काम को लेकर कोई नई योजना बन सकती है।

सम्पादकीय

आर्थिक पैकेज और परियोजनाओं पर अधिक तवज्जो की दरकार की खातिर

केंद्र राज्य को धन देने में उदार रहा है, लेकिन कई मुश्किल मुद्दों को हल किया जाना है, खासकर पोलावरम बांध निर्माण और पुनर्वास के मुद्दे, जो राज्य के लिए सिरदर्द बने हुए हैं। इसके अलावा, मुख्यमंत्री जगन तीन राजधानियों के मुद्दे पर केंद्र का समर्थन भी मांग सकते हैं, खासकर इस रिपोर्ट के मद्देनजर कि राज्य अमरावती पर तीन मार्च को उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दे सकता है।

दक्षिण भारत के छह राज्यों- तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और पुडुचेरी में छह अलग-अलग पार्टियों की सरकारें हैं। उनमें से हरेक का वैचारिक नजरिया कांग्रेस एवं भाजपा को लेकर अलग-अलग है। असल में ज्यादातर क्षेत्रीय पार्टियां, चाहे जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस हो या एन रंगास्वामी के नेतृत्व में पुडुचेरी की एनआर कांग्रेस हो, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी से अलग हुए समूह हैं। वहीं कर्नाटक और पुडुचेरी में भाजपा की सरकारें हैं। तमिलनाडु में एम. के. स्टालिन के नेतृत्व में द्रमुक की सरकार है, तो केरल में पी. विजयन के नेतृत्व में माकपा गठबंधन की सरकार है। तेलंगाना में के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में तेलंगाना राष्ट्र समिति की सरकार है। यदि इन दलों के नजरिये का राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टिकोण से विश्लेषण किया जाए, तो राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति के चुनाव में मतदान करते वक्त ये चारों दल विफल हो गए। दक्षिण भारत के चारों क्षेत्रीय दल श्रीलंका में पहुंचे चीनी जासूसी जहाज वाईडब्ल्यू-5 की जासूसी से सुरक्षा चाहते हैं। विशेष रूप से तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्रियों ने इसरो (भारतीय अंतरिक्ष संगठन), कुडमकुलम कोचि बंदरगाह या बंगाल की खाड़ी में तैनात परमाणु पनडुब्बी की चीनी जासूसी पोत से सुरक्षा को लेकर केंद्र को पत्र लिखा है या केंद्रीय नेताओं से मुलाकात की है। यदि श्रीलंका में संकट आता है, तो शरणार्थियों की समस्या बढ़ सकती है, क्योंकि प्रतिबंधित चरमपंथी संगठन लिट्टे से सहानुभूति रखने वाले नावों के जरिये आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु के बंदरगाहों तक पहुंच सकते हैं। इन छह राज्यों की सरकारें केंद्र से आर्थिक पैकेज और अतिरिक्त अनुदान के साथ ही अपनी परियोजनाओं पर अधिक तवज्जो चाहती हैं। जबकि तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल और तेलंगाना में सत्तारूढ़ क्रमशः द्रमुक, वाईएसआर कांग्रेस, माकपा और तेलंगाना राष्ट्र समिति नरेंद्र मोदी और भाजपा का विरोध करती हैं। उत्तर प्रदेश चुनाव से पहले ये पार्टियां मान रही थीं कि भाजपा चुनाव हार जाएगी और इसलिए 2024 में जनादेश विपक्षी दलों के गठबंधन यूपीए के पक्ष में जाएगा। लेकिन ये सारे कयास उत्तर प्रदेश के नतीजे आते ही हवा हो गए। इससे दक्षिणी राज्यों के मतदाताओं की धारणा भी बदल गई है। मतदाताओं ने समझ लिया कि मोदी-योगी डबल इंजन की सरकार हिंदी प्रदेश में अभेद्य है। ज्यादातर मतदाता 35 वर्ष से कम आयु के हैं, जो प्रधानमंत्री मोदी द्वारा डिजिटल बदलाव के प्रति आकर्षित हैं। इसके अलावा कोरोना संकट को अच्छी तरह से संभालने और मोदी के आठ वर्षों के शासन काल में भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगने के कारण युवा उनसे ज्यादा प्रभावित हैं। वास्तव में दक्षिण में सत्तारूढ़ क्षेत्रीय पार्टियां वर्ष 2023 के खत्म होने का इंतजार कर रही हैं। तब तक दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्री खासकर वित्तीय पैकेज के लिए प्रधानमंत्री मोदी से उम्मीद कर रहे हैं। यही मुख्य वजह है कि एम. के. स्टालिन कोई बड़ा राजनीतिक कदम नहीं उठा रहे हैं। यही स्टालिन की द्रमुक है, जिसने मोदी को काला झंडा दिखाया था, हवा में काले गुब्बारे छोड़े थे और यह कहकर उत्तर भारत विरोधी भावनाएं पैदा कर दी थीं कि केवल पानी पूरी वाले ही हिंदी बोलते हैं और उनका रहना कानून-व्यवस्था के लिए खतरा है। हालांकि बाद में स्टालिन ने प्रधानमंत्री मोदी को अंतरराष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंट का उद्घाटन करने के लिए तमिलनाडु आमंत्रित किया।

पीएम मोदी का लाल किले से संकेतः भ्रष्टाचार पर वार और महिलाओं का सम्मान होगा 2024 में भाजपा का चुनावी एजेंडा

प्रधानमंत्री ने लाल किले से 'महिलाओं के सम्मान' का मुद्दा गंभीरता के साथ उठाया है। उन्होंने कहा है कि सार्वजनिक जीवन में भी लोग महिलाओं का अपमान कर देते हैं। इससे न केवल महिलाओं का अपमान होता है, बल्कि इससे देश-समाज का विकास भी बाधित होता है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले के प्राचीर से दिए गए अपने संबोधन में 2024 लोकसभा चुनाव का एजेंडा स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने इशारा किया है कि भाजपा यह लड़ाई 'भ्रष्टाचार पर की गई कार्रवाई' के आधार पर लड़ेगी। पीएम के संबोधन से इस बात का भी इशारा मिल जाता है कि विपक्ष के ईडी-सीबीआई के राजनीतिक दुरुपयोग के आरोपों से विचलित हुए बिना भ्रष्टाचारी नेताओं पर कार्रवाई जारी रहेगी। यानी आने वाले दिनों में विपक्षी नेताओं की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। महिलाओं के सम्मान का मुद्दा उठाकर प्रधानमंत्री ने यह संकेत दे दिया है कि महिला उन्मुखी योजनाएं आने वाले समय में भी केंद्र सरकार की प्रमुखता में बनी रहने वाली हैं। ये 2024 में उसकी सत्ता में वापसी की राह खोल सकती हैं। प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार को दूसरे क्षेत्रों में भी योग्य युवाओं के आगे बढ़ने की राह का रोड़ा बताया है। उन्होंने उदाहरण सहित बताया है कि जैसे ही खेलों की दुनिया से भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार खत्म किया गया, युवाओं ने भारत को खेलों की दुनिया की एक बड़ी ताकत बना दी। उन्होंने इशारा किया है कि इसी तरह दूसरे क्षेत्रों से भी भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के दूर होने से उस क्षेत्र में योग्य युवाओं की राह आसान बनेगी। इससे यह भी स्पष्ट हो जाता है कि गैर-राजनीतिक क्षेत्रों में भी भ्रष्ट लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इससे पीएम नरेंद्र मोदी की युवाओं में छवि और ज्यादा मजबूत होगी। महिलाओं का अपमान, देश-समाज का विकास भी बाधित प्रधानमंत्री ने लाल किले से 'महिलाओं के सम्मान' का मुद्दा गंभीरता के साथ उठाया है। उन्होंने कहा है कि सार्वजनिक जीवन में भी लोग महिलाओं का अपमान कर देते हैं। इससे न केवल महिलाओं का अपमान होता है, बल्कि इससे देश-समाज का विकास भी बाधित होता है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि यदि देश को 2047 में एक विकसित राष्ट्र बनने का सपना देखना है, तो महिलाओं की भागीदारी के बिना यह कार्य अधूरा रह जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया है कि यदि महिलाओं को उचित भूमिका दी जाती है तो इससे भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प आसान हो जाएगा। इससे यह भी संकेत मिल जाता है कि आने वाले वर्षों में केंद्र सरकार की योजनाओं में महिला उन्मुखी योजनाएं प्रमुख बनी रहने वाली हैं। 2019 में भाजपा की सत्ता में वापसी में भी महिलाओं ने प्रमुख भूमिका निभाई थी। पिछले कुछ दिनों से विपक्ष के नेताओं पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई की कार्रवाई लगातार चल रही है। यूपी, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड से लेकर देश के अनेक हिस्सों में विपक्षी दलों के नेताओं या उनके करीबियों पर कार्रवाई हुई है। इन कार्रवाइयों में सैकड़ों करोड़ रुपये की नकदी, भारी मात्रा में सोने के आभूषण और चल-अचल संपत्ति बरामद हुई है। चूंकि, यह कार्रवाई ज्यादातर विपक्षी दलों के नेताओं पर या उनके करीबी लोगों पर हुई है, विपक्ष यह आरोप लगाता रहा है कि इसका उद्देश्य विपक्ष को डराना और राज्य में सत्ता हासिल करना रहा है। लेकिन यह आरोप पूरी तरह सही नहीं है। केंद्र सरकार ने राजनीति सहित अनेक क्षेत्रों में भ्रष्ट लोगों पर कार्रवाई की है। इसकी शुरुआत केंद्र सरकार के प्रशासन में जड़ें जमाए भ्रष्ट अधिकारियों को जबरन रिटायर करके की गई थी। बाद में गैर-राजनीतिक दूसरे क्षेत्रों में भी इसी तरह की कार्रवाई की गई है। पीएम ने दूसरे देशों के मानकों पर अपने को न तौलने की बात के साथ अपने मानक स्थापित करने की बात भी कही है। इस बात के आरोप लगते रहे हैं कि विदेशी सरकारों के दबाव में अनेक संस्थाएं भारत के खिलाफ रिपोर्ट जारी कर समय-समय पर उसे दबाव में लाने के प्रयास करती रही हैं। लेकिन बदले समय में इस तरह के दबावों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह आत्मशक्ति से संपन्न भारत के आगे बढ़ने की संकल्पशक्ति को दिखाता है। चुनावी एजेंडा नहीं, विकसित भारत के निर्माण की सोचः भाजपा भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने अमर उजाला से कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का लाल किले से दिया गया संबोधन चुनावी भाषण की तरह नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने पूरे देशवासियों के सहयोग से 2047 तक भारत को एक 'विकसित और वैभवशाली राष्ट्र' बनाने का संकल्प लिया है। भ्रष्टाचार को खत्म किए बिना यह संकल्प पूरा नहीं किया जा सकता, लिहाजा भ्रष्टाचार पर हमले की पीएम मोदी की बात को इसी संदर्भ में लिया जाना चाहिए। प्रेम शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की पूरी राजनीतिक जीवन यात्रा को ध्यान से देखें तो उन्होंने हर जगह भ्रष्टाचार को समाप्त करने और संवैधानिक संस्थाओं को मजबूत करने का काम किया है। गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए भी उन्होंने राज्य से भ्रष्टाचार समाप्त कर राज्य को विकास की दौड़ में सबसे आगे पहुंचाया। उनकी यह सोच आज प्रधानमंत्री बनने के बाद भी जारी है। पीएम मोदी ने लालकिले से यह भी कहा है कि जिन लोगों ने देश को लूटा है, उन्हें वह धन लौटाना होगा। क्या इसका यह अर्थ है कि आने वाले दिनों में विपक्ष के नेताओं पर ईडी और सीबीआई की जांच जारी रहने वाली है अमर उजाला के इस सवाल पर भाजपा नेता प्रेम शुक्ला ने कहा कि इसे केवल भ्रष्टाचारियों पर की गई कार्रवाई के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार पर पीएम के कड़े रुख के बाद यह स्पष्ट हो जाना चाहिए कि भ्रष्टाचारी व्यक्ति किसी भी राजनीतिक दल में और किसी भी क्षेत्र में होगा, उसे छोड़ा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सभी योग्य युवाओं को प्रतिस्पर्धा करने का पूरा अवसर उपलब्ध कराया जाना चाहिए और पीएम इसी दिशा में प्रयास कर रहे हैं।

4 करोड़ से ज्यादा लोगों ने भेजी सेल्फी

अमिताभ बच्चन से लेकर सुपरस्टार रजनीकांत तक शामिलगृहमंत्री अमित शाह ने वेबसाइट पर अपनी तस्वीर अपलोड की। इसके अलावा अमितभ बच्चन, सुपरस्टार रजनीकांत, अनुपम खेर, सचिन तेंदुलकर, रोहित शर्मा, मानुषी छिल्लर, सोनू सूद, नील नितिन मुकेश तक ने सेल्फी अपलोड की है। आजादी का अमृत महोत्सव लोगों के दिलों-दिमाग में रच-बस चुका है। हर कोई अपने प्यार तिरंगे को अपने सीने से लगाए फिर रहा है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हर घर तिरंगा अभियान की अपील ने तिरंगे के प्रति ऐसा जुनून पैदा किया कि यह अभियान जन-जन का बन गया। घर-घर तिरंगा पहुंचाने का बीड़ा खुद देश के नागरिकों ने उठा लिया। आम हो या खास कोई भी व्यक्ति तिरंगे के प्रति अपने अटूट प्रेम का प्रदर्शन करने से नहीं चूका। इसकी बानगी सरकार की ओर से बनाई गई हर घर तिरंगा वेबसाइट पर दिखाई दी। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत अपने-अपने घर में तिरंगा लगाकर पर सेल्फी अपलोड करने की अपील की थी। खबर लिखे जाने (सोमवार दोपहर दो बजे) तक इस वेबसाइट पर 46737564 अपलोड हो चुकी थीं। नेताओं से लेकर खिलाडियों तक दिखा क्रेज तिरंगे के साथ सेल्फी अपलोड करने का क्रेज नेताओं से लेकर खिलाडियों तक में दिखा। खुद गृहमंत्री अमित शाह ने वेबसाइट पर अपनी तस्वीर अपलोड की। इसके अलावा अमितभ बच्चन, सुपरस्टार रजनीकांत, अनुपम खेर, सचिन तेंदुलकर, रोहित शर्मा, मानुषी छिल्लर, सोनू सूद, नील नितिन मुकेश तक ने सेल्फी अपलोड की है। कल्पना नहीं की थी मेरे देश में इतनी ताकत है स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से कहा कि सामूहिक अंतरात्मा के पुनरुत्थान ने देश को एक नई ताकत दी है। पिछले कुछ दिनों में, हमने एक नई ताकत देखी, जो सामूहिक अंतरात्मा का पुनर्जागरण था। 10 अगस्त तक लोगों को शायद यह भी नहीं पता होगा कि देश में इस तरह की ताकत मौजूद है। उन्होंने कहा पिछले तीन दिनों से हाथों से देश तिरंगा लेकर तिरंगा यात्रा पर निकल रहा है, बड़े-बड़े समाजवादी और सामाजिक विज्ञान के जानकार भी शायद कल्पना नहीं कर सकते कि मेरे देश में कितनी ताकत है। लेकिन तिरंगे झंडे ने यह दिखाया।

क्या सूर्य पर होने वाले विस्फोटों के कारण पृथ्वी पर आती हैं महामारियां और होते हैं युद्ध

हमारे जीवन के तार भी इसी ब्रह्मांडीय ऊर्जा के साथ जुड़े हैं। क्या समय और स्पेस की चादर पर बिखरी आकाशगंगाओं, तारों और सूर्य पर होने वाली हलचल का असर पृथ्वी और हम सब के जीवन पर पड़ता है

जीवन एक घटना है। इसमें जो कुछ भी हो रहा है उसका सीधा संबंध ब्रह्मांडीय तारों, नक्षत्रों और नेबूला के स्पंदन से जुड़ा है। ये पूरा ब्रह्मांड एक कॉस्मिक यूनिटी है। यहां हर एक चीज दूसरी चीज को प्रभावित कर रही है। सालों पहले कॉस्मो बायोलॉजी की दिशा में काम करने वाले महान वैज्ञानिक एलेक्जेंडर चीजेवस्की द्वारा कही गई ये बात ब्रह्मांड, जीवन और हमारे आसपास जो हो रहा है। उसको लेकर जहन में कई सवाल पैदा करती है। हमारे जीवन के तार भी इसी ब्रह्मांडीय ऊर्जा के साथ जुड़े हैं। क्या समय और स्पेस की चादर पर बिखरी आकाशगंगाओं, तारों और सूर्य पर होने वाली हलचल का असर पृथ्वी और हम सब के जीवन पर पड़ता है आखिर रहस्यमय अंतरिक्ष की फील्ड्स, फोर्सेस, टाइम और स्पेस के फेबरिक कहीं न कहीं हमारे भीतर से भी होकर गुजर रहे हैं। तारों में होने वाले विस्फोटों के कारण अंतरिक्ष में जो हलचल पैदा होती है। उसका कहीं न कहीं सूक्ष्मतर प्रभाव हमारी मनोव्यवस्था और जीवन पर भी पड़ता होगा सालों पहले तत्कालीन सोवियत संघ के वैज्ञानिक एलेक्जेंडर चीजेवस्की ने अपनी खोज में इन्हीं सवालों को खंगाला था। इस महान वैज्ञानिक ने अपने शोध में इस बात को वैज्ञानिक ढंग से प्रमाणित किया कि पृथ्वी पर जन्म लेने वाली महामारियों और क्रांतियों का संबंध सूर्य पर होने वाले विस्फोटों से है। ये बातें आपको अटपटी जरूर लग रही हैं, लेकिन चीजेवस्की ने विगत कई सालों के इतिहास में महामारियों, युद्धों और क्रांतियों का संबंध सूर्य पर होने वाले विस्फोटों के साथ जोड़ा था। चीजेवस्की ने अपने कई सालों की खोज में इस बात का उल्लेख किया था कि सूर्य जब-जब 11 सालों में अपनी सोलर साइकिल को बदलता है, पृथ्वी पर तब-तब युद्ध और महामारियां जैसी स्थिति जन्म लेने लगती हैं। चीजेवस्की ने अपनी रिसर्च में वैज्ञानिक साक्ष्यों के साथ बताया कि सूर्य पर होने वाली घटनाएं और उसका ज्योमैगनेटिक ओस्किलेशन पर जो असर पड़ता है। उससे पृथ्वी पर रह रहे इंसानों का मनोविज्ञान सीधे तौर पर प्रभावित होता है। चीजेवस्की की इस खोज को गहराई से समझने से पहले आपको सूर्य की 11 सालों की सोलर साइकिल को समझना होगा।जीवन एक घटना है। इसमें जो कुछ भी हो रहा है उसका सीधा संबंध ब्रह्मांडीय तारों, नक्षत्रों और नेबूला के स्पंदन से जुड़ा है। ये पूरा ब्रह्मांड एक कॉस्मिक यूनिटी है। यहां हर एक चीज दूसरी चीज को प्रभावित कर रही है। सालों पहले कॉस्मो बायोलॉजी की दिशा में काम करने वाले महान वैज्ञानिक एलेक्जेंडर चीजेवस्की द्वारा कही गई ये बात ब्रह्मांड, जीवन और हमारे आसपास जो हो रहा है। उसको लेकर जहन में कई सवाल पैदा करती है। हमारे जीवन के तार भी इसी ब्रह्मांडीय ऊर्जा के साथ जुड़े हैं। क्या समय और स्पेस की चादर पर बिखरी आकाशगंगाओं, तारों और सूर्य पर होने वाली हलचल का असर पृथ्वी और हम सब के जीवन पर पड़ता है आखिर रहस्यमय अंतरिक्ष की फील्ड्स, फोर्सेस, टाइम और स्पेस के फेबरिक कहीं न कहीं हमारे भीतर से भी होकर गुजर रहे हैं। तारों में होने वाले विस्फोटों के कारण अंतरिक्ष में जो हलचल पैदा होती है। उसका कहीं न कहीं सूक्ष्मतर प्रभाव हमारी मनोव्यवस्था और जीवन पर भी पड़ता होगा सालों पहले तत्कालीन सोवियत संघ के वैज्ञानिक एलेक्जेंडर चीजेवस्की ने अपनी खोज में इन्हीं सवालों को खंगाला था। इस महान वैज्ञानिक ने अपने शोध में इस बात को वैज्ञानिक ढंग से प्रमाणित किया कि पृथ्वी पर जन्म लेने वाली महामारियों और क्रांतियों का संबंध सूर्य पर होने वाले विस्फोटों से है। ये बातें आपको अटपटी जरूर लग रही हैं, लेकिन चीजेवस्की ने विगत कई सालों के इतिहास में महामारियों, युद्धों और क्रांतियों का संबंध सूर्य पर होने वाले विस्फोटों के साथ जोड़ा था। चीजेवस्की ने अपने कई सालों की खोज में इस बात का उल्लेख किया था कि सूर्य जब-जब 11 सालों में अपनी सोलर साइकिल को बदलता है, पृथ्वी पर तब-तब युद्ध और महामारियां जैसी स्थिति जन्म लेने लगती हैं। चीजेवस्की ने अपनी रिसर्च में वैज्ञानिक साक्ष्यों के साथ बताया कि सूर्य पर होने वाली घटनाएं और उसका ज्योमैगनेटिक ओस्किलेशन पर जो असर पड़ता है।

संरचनात्मक बदलाव से चूक रहीं महिलाएं, आंकड़े कहते हैं सारी कहानी

महिलाओं की कम आवाजाही उन्हें निर्माण एवं कम-कुशल सेवाओं जैसे गैर-कृषि क्षेत्रों में रोजगार पाने में बाधा उत्पनन्‍करती है, क्योंकि ये नौकरियां गांव से काफी दूर होती हैं। इंटरनेशनल क्रॉप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर द सेमी-एरिड ट्रॉपिक्स सर्वेक्षण के रोजगार डाटा से पता चलता है कि 32 प्रतिशत पुरुष गांव से बाहर काम करते हैं, लेकिन केवल पांच प्रतिशत महिलाएं ही ऐसा करती हैं। पिछले तीन दशकों में भारत में तीव्र आर्थिक विकास, प्रजनन दर में गिरावट और महिलाओं की शिक्षा में वृद्धि के बावजूद महिला कार्यबल भागीदारी दर (कामकाजी महिलाओं का अनुपात) देश में अब भी कम बनी हुई है। वास्तव में, 1987 के बाद से इसमें तेज और लगातार गिरावट देखी गई है। भारत के ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में 25 से 60 वर्ष की उम्र की महिलाओं और पुरुषों की कार्यबल में भागीदारी को देखें, तो दोनों के बीच अंतर स्पष्ट है। ग्रामीण और शहरी, दोंनों इलाकों में पुरुषों की कार्यबल में भागीदारी दर महिलाओं की तुलना में काफी ज्यादा है। इस आयु वर्ग में पुरुष रोजगार दर ग्रामीण क्षेत्रों में 96 प्रतिशत से थोड़ा कम होकर 94 प्रतिशत और शहरी भारत में 94 प्रतिशत से 91 प्रतिशत हो गई है। शहरी भारत में महिला कार्यबल भागीदारी भी 26 फीसदी से घटकर 24 फीसदी हो गई है। हालांकि, महिला रोजगार दर में सबसे बड़ी गिरावट ग्रामीण भारत में आई है, जहां महिला कार्यबल भागीदारी 1987 के 54 प्रतिशत से गिरकर 2017 में 31 प्रतिशत हो गई। मौजूदा शोध से पता चलता है कि 25-60 आयु वर्ग की ग्रामीण महिलाओं के समूह में भी गिरावट मुख्य रूप से उन लोगों में हुई है, जो अभी विवाहित हैं (सभी महिलाओं का लगभग 90 प्रतिशत)। जनसांख्यिकीय विशेषताओं में बदलाव (घर में विवाहित महिलाओं और पुरुषों की शिक्षा योग्यता में वृद्धि) और बढ़ती घरेलू आय जैसे कारक 1987 से 1999 के दौरान महिला कार्यबल भागीदारी में संपूर्ण गिरावट की व्याख्या करते हैं। महिला शिक्षा और महिला रोजगार के बीच यू-आकार का संबंध और परिवार के पुरुष सदस्यों की शिक्षा या आय और महिला रोजगार के बीच एक नकारात्मक संबंध इस गिरावट को प्रेरित करता है। कृषि क्षेत्र में महिला कार्यबल भागीदारी 1987 के 46 प्रतिशत से गिरकर 2011 में 33 प्रतिशत हो गई और 2017 में और कम होकर 23 प्रतिशत हो गई। मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में भी महिला कार्यबल की भागीदारी 3.5 फीसदी से घटकर 2.5 फीसदी हो गई। निर्माण एवं सेवा क्षेत्र अपवाद है, जहां इसमें एक से 1.5 फीसदी की वृद्धि हुई। पुरुष कार्यबल भागीदारी भी कृषि में 1987 के 77 प्रतिशत से गिरकर 2011 में 64 प्रतिशत हो गई, जो दर्शाता है कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी कम है। भारतीय कृषि कार्यों में श्रम का लैंगिक विभाजन है। महिला श्रम का उन कार्यों (जुताई) में उपयोग किए जाने की संभावना कम होती है, जिनमें शारीरिक शक्ति की आवश्यकता होती है और उन कार्यों में उपयोग की अधिक संभावना होती है, जिनमें सटीकता (बुवाई, रोपाई और निराई) की आवश्यकता होती है।

संक्षिप्त समाचार

33वीं वाहिनी पीएसी में हाफ मैराथन का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
झाँसी। स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर मनाये जा रहे आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अपर पुलिस महानिदेशक पीएसी के निर्देशानुसार अमृत सप्ताह के कार्यक्रमों की श्रंखला में दिनांक 16.08.2022 को राजगढ़ स्थित 33 वी वाहिनी पीएसी के सेनानायक के.पी. यादव के

निर्देशन में परेड ग्राउंड पर पीएसी परिवार के बच्चों की 2.5 कि0मी0 हाफ़ मैराथन दौड़ का आयोजन कराया गया, सेनानायक द्वारा हरी झंडी दिखा कर दौड़ का शुभारंभ किया गया। दौड़ में विजेता बच्चों को पुरस्कार वितरण कर जीत की बधाई दी। हाफ मैराथन में सहायक सेनानायक कर्ण सिंह यादव , शिविरपाल विजय राज सिंह, सूबेदार सैन्य सहायक अरविंद कुमार राय एवं समस्त अधि0/कर्म0 उपस्थित रहे।

डॉक्टरों ने कहा- स्थिति काफी गंभीर, कानपुर में प्रार्थना का दौर जारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। हास्य कलाकार एवं अभिनेता राजू श्रीवास्तव की हालत फिर बिगड़ गई है। वह 10 अगस्त से दिल्ली एम्स में भर्ती हैं। डॉक्टरों का कहना है कि श्रीवास्तव की हालत गंभीर है। राजू श्रीवास्तव के फैंस की चिंताओं को दूर करने के लिए प्रत्येक दिन कॉमेडियन का हेल्थ अपडेट जारी किया जाता है। 10 अगस्त को कॉमेडियन एवं भाजपा नेता राजू श्रीवास्तव जिम में वर्कआउट करने के दौरान अचानक बेहोश होकर गिर गए थे। इसके बाद उन्हें दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया। उनके भाई ने बताया था कि राजू श्रीवास्तव बुधवार सुबह वर्कआउट सकते समय ट्रेडमिल पर अचानक गिर गए थे। इसके बाद उन्हें दिल्ली एम्स ले जाया गया। राजू श्रीवास्तव भाजपा नेता और उत्तर प्रदेश फिल्म विकास परिषद के चेयरमैन हैं। नोएडा में फिल्म सिटी स्थापित करने में उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से वे अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

नोएडा मीडिया कल्ब पर फहराया तिरंगा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा । अमृत महोत्सव के अवसर पर 75वें स्वतंत्रता दिवस पर नोएडा मीडिया क्लब के सदस्यों ने सेक्टर-29 स्थित गंगा शॉपिंग कंपलेक्स में शान के प्रतीक तिरंगे को हर्षोल्लास के बीच फहराया। इस अवसर पर पत्रकारों ने संकल्प लिया कि देश की समृद्धि से जुड़ी खबरों को प्राथमिकता देंगे। साथ ही सभी ने एक दूसरे को स्वतंत्रता दिवस की बधाइयां दी। इस अवसर पर चेतना मंच के संस्थापक संपादक आर.पी. रघुवंशी ने बचपन की यादों को ताजा किया। उन्होंने कहा कि याद करें गांव में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रभात फेरी निकाली जाती थी। लेकिन यह परंपरा धीरे-धीरे लुप्त होने की ओर अग्रसर है।

उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री के आह्वान पर जिस तरह से अमृत महोत्सव को मनाया गया उससे निश्चित तौर पर युवाओं को स्वतंत्रता दिवस के मायने समझ आए हैं। देशभक्ति की भावना हर युवा के दिल में होनी चाहिए। हमें इसी तरह के संस्कार अपनी अगली पीढ़ियों को देने है। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार अनिल चौधरी, विनोद शर्मा, मोहम्मद आजाद, नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष पंकज पाराशर, राकेश त्यागी, मेहर सिंह अवाना, देव मणि शुक्ल, निरंकार सिंह, जे पी सिंह, रिंकू यादव, हरवीर चौहान, अश्विनी श्रीवास्तव, अंजना भागी, ईश्वर, इकबाल चौधरी, ए.के. लाल, दिनेश गौड़, नीलम भागी, दीपक यादव, मनीष गुप्ता, आरबी यादव, सुमित, एस.के.सिंह, क्लब के केयर टेकर सुनील कुमार, नोएडा मीडिया क्लब के कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार चौधरी सहित बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद थे।

नोएडा मे स्वतंत्रता दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा । स्वतन्त्रता दिवस नोएडा मे बड़े हर्ष के साथ मनाया गया। सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थानो मे निजी कार्यालयों ,सभी सोसायटियो ,सभी गांवों नुक्कडो

पर झंडा फहराया गया। तथा जगह जगह पर रैली निकाली गई। नोएडा में बड़े उत्साह के साथ 15 अगस्त जय हिंद जय भारत करते हुए देखने को मिला। सभी गांवों में बच्चों के साथ प्रभात भेरी निकाली गयीं। जगह जगह पर मिठाई व लड्डू भी वितरण किया गया। सेक्टर 82 पाकेट 7 मे आर डब्लूयू ए अध्यक्ष एन के सोलंकी ने सुबह ध्वजारोहण किया। एवं प्रभात भेरी भी निकाली गई। इस मौके पर रमेश चंद्र शर्मा, रमेश वर्मा, राजेश कुमार गुप्ता, सिंह, बी डी गुप्ता, घनश्याम जोशी,अजय सिंह, हरि शंकर सिंह, सुशील कुमार पाल,राजीव श्रीवास्तव, बलराम कुमार, हंस मणि शुक्ल, पान सिंह, प्रदीप कुमार यादव,तिमिर बरोन, कपिल सोलंकी, रवि सिह,प्रदीप सिंह तोमर, किशोर कपूर, विवेक सिह, रतन भारद्वाज, राकेश शर्मा, प्रतीक सोलंकी आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। नोएडा के सेक्टर 71 शिव शक्ति अपार्टमेंट में ध्वजारोहण आर डब्लूयू ए अध्यक्ष जगदीश सिंह जग्गा एवं महासचिव संजय शुक्ल ने किया। इस मौके पर अमित कुमार,प्रमोद शर्मा,मदन विज,पूरन यादव,नवनीत त्यागी, अजित कुमार,राजेश शुक्ला, बिपुल विकास,राम बहादुर,एन सी मालों,अंकुर मिश्रा ,राधवेन्द्र प्रसाद,बिनने दिश्रीत,नन्दन रावत ,इन्द्रजित चौहान,राकेश कुमार,मोहम्मद खालिद,सौरभ कुमार,जे के सिंह,निमाई गिरी, श्याम कुमार आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। नोएडा विकास प्राधिकरण के प्रागण मे सी ओ रितु माहेश्वरी ने ध्वजारोहणकिया। सेक्टर 82 के पाकेट 12 मे आर डब्लूयू ए ने ध्वजारोहण किया। जिलाधिकारी सुहास एल वाई ने कलेक्टर परिसर में ध्वजारोहण किया। पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह ने पुलिस लाइन में ध्वजारोहण किया तथा पुलिस कर्मियों को सम्मानित भी किया। नोएडा के सभी शिक्षण संस्थानों में ध्वजारोहण किया गया। विष्णु शर्मा, रवि राघव, राजेश पाठक,लक्ष्मण सिंह चौहान, संगम प्रसाद मिश्र, संजय पाण्डेय, बी डी भारद्वाज, पंकज झा, गुरमेल सिंह, कोमल सिंह यादव,आर पी सिह, अंगद सिंह तोमर, नवल मिश्र, वंश बहादुर सिंह, शुभाष शर्मा, अमितेश

सांसद के खिलाफ 3 संगठनों की संयुक्त प्रेस वार्ता

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा । गौतमबुद्ध नगर के सांसद डॉ.महेश शर्मा के खिलाफ सोमवार को तीन संगठनों ने संयुक्त प्रेस वार्ता की है। दरअसल, रविवार को महेश शर्मा ने एक पत्र जारी करके अपने खिलाफ साजिश का आरोप लगाया था। सांसद ने पत्र में लिखा था कि तीन चिट्ठियां एक ही व्यक्ति ने लिखी हैं। तीनों संगठनों ने कहा, ठमहेश शर्मा तीनों पत्रों की फोरेंसिक जांच करवाएं। पत्र लिखने वाले हम उपलब्ध हैं। ओरिजिनल पत्र भी हम लेकर आए हैं। अब अगर वह जांच नहीं करवाएंगे तो हम उनके हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे।गौतमबुद्ध नगर के सांसद डॉ.महेश शर्मा के खिलाफ राजपूत उत्थान सभा के प्रदेश अध्यक्ष धीरज ठाकुर, अखिल भारतीय वीर गुर्जर महासभा के जिला अध्यक्ष श्याम सिंह भाटी एडवोकेट और भारतीय किसान यूनियन 'भानु' पर राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रतिनिधि सत्यवीर सिंह ने पत्र है। सांसद का आरोप है, यह तीनों चिट्ठियां किसी एक ही व्यक्ति ने एक ही पेन से और एक ही स्थान पर बैठकर लिखी हैं। यह सबकुछ त्यागी समाज को मेरे खिलाफ उकसाने के लिए किया जा रहा है। एक राजनेता, एक अफसर और एक यूट्यूब चैनल मिलकर यह सब कर रहे हैं। इस मामले की जांच की जानी चाहिए। राजपूत उत्थान सभा के प्रदेश अध्यक्ष धीरज ठाकुर ने कहा, ठसांसद डॉ.महेश शर्मा ने मुझे पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान जेल भिजवाया था। हम एक सामाजिक संगठन चलाते है। हमारा कर्तव्य आम आदमी की भावना को जनप्रतिनिधियों तक पहुंचाना है। जब हम आम आदमी की समस्याएं डॉक्टर महेश शर्मा के सामने उठाते है तो वह हमें जेल भिजवाते है। हमारे ऊपर साजिश रचने का आरोप लगाने लगते हैं। हमारा श्रीकांत त्यागी से कोई सरोकार नहीं है। श्रीकांत त्यागी ने गलती की, उसके खिलाफ कार्रवाई हो रही है। ठीक

इसी तरह की गलती डॉक्टर महेश शर्मा ने की है। जब श्रीकांत त्यागी को गाली देने पर जेल भेजा गया है, तो डॉक्टर महेश शर्मा ने राष्ट्रीय चैनलों पर गौतमबुद्ध नगर के पुलिस आयुक्त को गालियां दी हैं। इनके खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए। हम एक बार फिर दोहरा रहे है, अगर गौतमबुद्ध नगर पुलिस और उत्तर प्रदेश सरकार ने सांसद के खिलाफ एक्शन नहीं लिया तो हमें मजबूर होकर आंदोलन करना पड़ेगा। अदालत का दरवाजा भी खटखटाया पड़ेगा। किसान यूनियन 'भानु' के राष्ट्रीय अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह के प्रतिनिधि ठाकुर सतपाल सिंह ने कहा, जिस हैंडराइटिंग से यह पत्र लिखा गया है, उसी हैंडराइटिंग से वर्ष 2009 के चुनाव में डॉक्टर महेश शर्मा के लिए समर्थन पत्र भी लिखा गया है। उस समर्थन पत्र की प्रति डॉ.महेश शर्मा के पास उपलब्ध होगी। दोनों पत्रों की हैंडराइटिंग मिलाकर खुद ही समझ जाएं कि चिट्ठियां किसने लिखी हैं। जब हम समर्थन देकर महेश शर्मा को सांसद बना सकते है तो हमें सवाल पूछने का अधिकार भी है। महेश शर्मा ने पुलिस कमिशन्र को गाली दी है। जिसकी वजह से वह आलोचनाओं का शिकार हो रहे हैं। दूसरी ओर त्यागी समाज उनके खिलाफ लगातार रोष जाहिर कर रहा है। ऐसे में सांसद किसी दूसरे पर लांछन लगाकर अपने बचाव की कोशिश कर रहे हैं। ठाकुर सत्यपाल सिंह ने आगे कहा, महेश शर्मा इन तीनों पत्रों की जांच करवा लें। उन्हें फॉरेंसिक एनालिसिस करवाना चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं करवाएंगे तो हम उनके खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। मैं व्यक्तिगत रूप से उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करूंगा। अखिल भारतीय वीर गुर्जर महासभा के जिलाध्यक्ष श्यामसिंह भाटी ने कहा, सांसद डॉ.महेश शर्मा को गलतियां करने की आदत पड़ चुकी है। अगर उनके खिलाफ कोई आवाज उठाता है तो वह साजिश और षड्यंत्र का आरोप लगाने लगते हैं। यह कोई पहला वाकया नहीं है। इससे पहले भी इस तरह की कई घटनाएं हो चुकी हैं। सांसद पत्र लिखकर और मिथ्या आरोप लगाकर इमोशनल कार्ड चल रहे हैं। सही मायने में जिस तरह श्रीकांत एक महिला को गाली देने का आरोपी है, ठीक उसी तरह डॉक्टर महेश शर्मा गौतमबुद्ध नगर के पुलिस कमिशनर आलोक सिंह को गाली देने के आरोपी हैं। जब श्रीकांत त्यागी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करके कड़ी कार्रवाई की गई है तो सांसद के खिलाफ क्यों नहीं की जा रही है अगर सांसद के खिलाफ गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की तो हम आगे की कानूनी कार्रवाई करेंगे। पत्रों पर सवाल उठाकर वह केवल जनमानस को गुमराह करने की कोशिश कर रहे थे। जिसमें वह कामयाब नहीं हो पाए।

हल छठ की पूजा का हिन्दू पर्व में बहुत अधिक महत्व हैं आमतौर पर यह उत्तर भारत में मनाया जाता है

(आधुनिक समाचार सेवा)
मैहर। हल छठ किसानों का विशेष पर्व होता हैं. यह बलराम के जन्मदिन के उपलक्ष में मनाया जाता हैं. बलराम श्री कृष्ण के बड़े भाई थे, जिनका प्रिय शस्त्र हल था, इन्हें हलधर भी कहा जाता है, इसलिये इसे किसानो का त्यौहार कहते हैं. इस दिन हल की पूजा की जाती हैं साथ ही बैल की भी पूजा की जाती हैं. हल छठ का त्यौहार भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता हैं, कुछ लोग हल छठ का त्यौहार भाद्रपद शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाते हैं. महिलायें अपने पुत्र की रक्षा के लिए यह त्यौहार बड़े उत्साह के साथ पुरे विधि विधान से करती हैं. हर हल छठ बलराम जयंती पूजा विधि महत्व एवम व्रत कथा हल हर षष्ठी कैसे मनाई जाती हैं इस व्रत का पालन करने वाली महिलायें इस दिन हल से जुती हुई सामग्री अर्थात अनाज नहीं खा सकती. ना ही गाय का दूध अथवा घी खा सकती हैं. उस दिन उन्हें केवल वृक्ष पर लगे खाद्य पदार्थ खाने की अनुमति होती हैं. हर छठ की पूजा सामग्री 1 भैंस का दूध, घी, दही गोबर. 2 महुये का फल, फुल एवम पत्ते 3 जवार की धानी

4 ऐपन 5 कुल्वे (छोते से मिट्टी के कुल्हड़) 6 देवली छेवली (बांस और महुये के पत्ते से बना होता हैं.) हल हर षष्ठी के नियम एवम पूजा विधि प्रातः काल उठकर महुयें से दांत साफ़ किये जाते हैं. इस दिन बिना हल से जूते खाद्य पदार्थ खाये जाते हैं. पसई धान के चावल, भैंस के दूध का उपयोग भोजन में किया जाता हैं. भोजन पूजा के बाद किया जाता हैं. यह व्रत पुत्रवती स्त्रियाँ ही करती हैं. इस व्रत की पूजा हेतु भैंस के गोबर से पूजा घर में घर की दिवार पर हर छठ माता का चित्र बनाया जाता हैं. एपन तैयार किया जाता हैं. उससे चित्र का श्रृंगार किया जाता हैं. ऐपन बनाने की विधि : पूजा के चावल को पानी में भीगा कर रखा जाता हैं. फिर उसे सिल बट्टे पर पिस कर उसमे हल्दी मिलाई जाती हैं. एक लेप की तरह घोल तैयार होता हैं उसे ऐपन कहते हैं. इस चित्र में हल, सप्त ऋषि, पशु ,किसान मान्यतानुसार कई चित्र बनाये जाते हैं. कई परिवार केवल हाथों के छापे बनाकर उनकी पूजा करते हैं.हाथो में ऐपन लगाकर उसके छापे दीवार पर बनाकर उनकी पूजा की जाती हैं. पूजा के लिए पाटे पर कलश सजाया जाता हैं. गणेश जी एवम माता गौरा को स्थापित किया जाता हैं. साथ ही मिट्टी के कुल्वे में ज्वार की धानी एवम महुआ का फल भरा जाता हैं. एक मटकी में देवली छेवली को रखा जाता हैं. सबसे पहले कलश की पूजा कर गणेश जी एवम माता गौरा की पूजा की जाती हैं. फिर हर छठ माता की पूजा की जाती हैं. उसके बाद कुल्वे एवम मटकी की पूजा की जाती हैं. पूजा के बाद हर छठ की कथा पढ़ी जाती हैं. माता जी की आरती की जाती हैं. आरती के बाद वही बैठकर महुयें के पत्ते पर महुये का फल रख कर उसे भेस के दूध से बने दही के साथ खाया जाता हैं.

लायन्स कल्ब मे स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा । लायंस क्लब नोएडा ने स्वतंत्रता के 76वे वर्ष का उत्सव बड़ी धूमधाम से पाँच किलो मीटर तक एक परेड 8:30

बजे नोएडा सेक्टर-36,साइबर क्राइम पोलिस स्टेशन से बीएस मेमोरियल स्कूल निठारी के लगभग चार सौ छात्रों एवं शहर के अनेक गणमान्य व्यक्तियों के साथ पिछत्तर मीटर लम्बे तिरंगे को पकड़े हुए बारात घर सेक्टर 31 तक की। तत्पश्चात् झंडा रोहण और रंगा रंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया अध्यक्ष लायन रचना यादव, थाना अध्यक्ष रीटा यादव,सुनील चौधरी,लायन मानसिंह चौहान,लायन दीप्ति वार्ष्णेय, लायन सी एस भोगल, लायन मुकुल बाजपेई, लायन अन पी सिंह,लायन बिपिन बंसल,लायन अरुणा बंसल,लायन उमेश कुमार, लायन पूनम गुप्ता , लायन विनय सिसोदिया, लायन लायन शिवानी ,लायन आदित्य श्रीवास्तव, लायन लीना चौहान , लायन जे एस चौहान, लायन निधि शर्मा , लायन नीलम बिष्ट, लायन आई आर छाबड़ा, लायन शिवानी , बीएस मेमोरीयल के संचालक राजेश कुमार,क्रांति सेना के संचालक अविनाश, कैप्टन विकास गुप्ता वरदान इंडने गैस के कर्मचारी शामिल रहे! लायंस क्लब नॉएडा ने सभी के लिए अल्पाहार का इंतज़ाम किया तथा स्कूल के बच्चों एवं शिक्षिकों को पुरस्कृत किया। स्कूल को वर्ष भर के लिए कार्टून पुस्तिकाओं के लिए धनराशि दी! छात्रों ने आज़ादी के रंग में डूबी ,मोहक प्रस्तुति से मन मोह लिया।

भाजपा कार्यालय में हुआ ध्वजारोहण प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीकांत चतुर्वेदी जी ने किया ध्वजारोहण

(आधुनिक समाचार सेवा)
मैहर। आज देश की 75/76वी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी कार्यलय में प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य श्रीकांत चतुर्वेदी जी द्वारा पहले राष्ट

पिता महात्मा गांधी व भारत माता की छायाचित्र पर मार्ल्यापण कर ध्वजारोहण किया गया ततपश्चात राष्ट्रगान किया गया उक्त कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य श्रीकांत चतुर्वेदी ने सभी देशवासियो व नगरवासियो को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी उक्त मौके पर उपस्थित भारतीय जनता पार्टी प्रदेश के सभी जन नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती गीता संतोष सोनी ,नगरपालिका उपाध्यक्ष श्रीमती शीतल नितिन तर्मकार, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री रामकृपाल पटेल,श्री रविन्द्र मिश्र ,श्री सतीश मिश्रा,श्री एल पी त्रिपाठी ,पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती ललित सूर्यप्रकाश चौरसिया,श्री फूलचंद पटेल,श्री दिलीप त्रिपाठी,शारदा पटेल, पुरुषोत्तम चौरसिया, विनोद चौरसिया, पिछड़ा मोर्चा जिला उपाध्यक्षरावेंद्र सिंह ,विकाश तिवारी ,महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष श्रीमती सविता शर्मा श्रीमती रीता आहूजा श्रीमती अनिता तिवारी,भक्ति शर्मा,नगरपालिका वार्ड नंबर 2पार्षद श्री ईश्वर दीन कोरी ,वार्ड 9 पार्षद बहन निधि रमेश प्रजापति,वार्ड नंबर 19 पार्षद श्रीमती प्रीति मनीष पाठक वार्ड नंबर 10 पार्षद श्री रवि सर्फ, वार्ड 8 पार्षद जवेद अहमद,वार्ड नंबर 4 पार्षद केशव प्रसाद कुशवाहा, वार्ड नंबर 16 पार्षद मोती खान,वार्ड नंबर 7 पार्षद श्रीमती गीता राजू बढोलिया ,वार्ड 24 पार्षद श्री जीतेन्द्र पांडये,वार्ड 12 पार्षद श्रीमती अर्चना अरुण चौरसिया, जनपद सदस्य श्री कामता शुक्ला गुलाब सिंह सरना जी केके गर्ग जी विनय त्रिपाठी उर्फ दादू भैया युवा मोर्चा मैहर अध्यक्ष प्रिंस शर्मा ,मधु ओचनी,राजा पांडये दिनेश मौर्य, शारदा चौरसिया, गणेश तिवारी हामिद पठान विनोद खटीक वीरेंद्र सिंह उर्फ वीरू शेख अमजद हीरा चौरसिया प्रकाश तिवारी आशीष खरे पूर्व पार्षद भागचंद कोरी भैया लाल सोनी मुनन सिंह विकास कुमार, राकेश अग्रवाल जी राकेश गुप्ता जी राजेश कुशवाहा जी अजय लखेरा जी मनोज सोनी दीपक सोनी चतुर्वेदी सेवा मंच के सभी सदस्य व सभी भाजपा के कार्यकर्ता व गणमान्य नागरिक रहे उपस्थित और कार्यक्रम को सफल बनाया।

श्रीकांत त्यागी की पत्नी को प्रताडित करने वाले पुलिसकर्मी सस्पेंड हों- त्रिलोक त्यागी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा । राष्ट्रीय लोकदल रालोद ने नोएडा पुलिस पर गालीबाज नेता श्रीकांत त्यागी की पत्नी और परिवार की अन्य महिलाओं को पूछताछ के बहाने प्रताडित करने का आरोप लगाते हुए दोषी पुलिसकर्मियों को

सस्पेंड करने की मांग की है। रालोद महासचिव त्रिलोक त्यागी ने आरोप लगाया है कि नोएडा की एक सोसाइटी में महिला के साथ अभद्रता करने के आरोपी श्रीकांत त्यागी की पत्नी अनु त्यागी और अन्य महिलाओं को पूछताछ के बहाने घंटों थाने में बैठाकर प्रताडित किया गया त्रिलोक त्यागी ने मंगलवार को नोएडा मीडिया क्लब में आयोजित प्रेससवार्ता के दौरान कहा कि श्रीकांत त्यागी ने एक महिला के साथ अभद्रता की है, जिसके लिए कानून अपना काम कर रहा है और इस पर उनकी पार्टी को कोई ऐतराज नहीं है, मगर श्रीकांत की पत्नी और मामी को पूछताछ के बहाने बेवजह रात भर थाने पर बैठाना पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाता है। उन्होंने कहा कि श्रीकांत त्यागी प्रकरण को पुलिस ने जानबूझ कर उछाला। एक महिला के साथ अभद्रता करने के आरोपी की गिरफ्तारी के लिए 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया, जैसे वह कोई आतंकवादी हो। वहीं गिरफ्तारी पर इनाम बांटा गया, जबकि सच्चाई यह है कि श्रीकांत ने सरेंडर किया था। उन्होंने कहा कि श्रीकांत जैसे हजारों लोग भाजपा में अभी भी हैं, जो पार्टी का झंडा और हूटर लगाकर जनता के बीच रौब झाड़ते हैं। रालोद महासचिव ने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लालकिले की प्राचीर से महिलाओं के सम्मान की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर उत्तर प्रदेश की पुलिस महिलाओं को रातभर थाने में बैठाकर उन्हें प्रताडित करती है। पार्टी की मांग है कि दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की जाए वरना उनकी पार्टी भावी रणनीति बनाने पर विवश होगी।

'लाल सिंह चड्ढा' का हाल देख 'ब्रह्मास्त्र' के बायकॉट से डरे करण जौहर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। पोस्ट में कह डाली ये बातअयान मुखर्जी के जन्मदिन के मौके पर करण जौहर ने एक

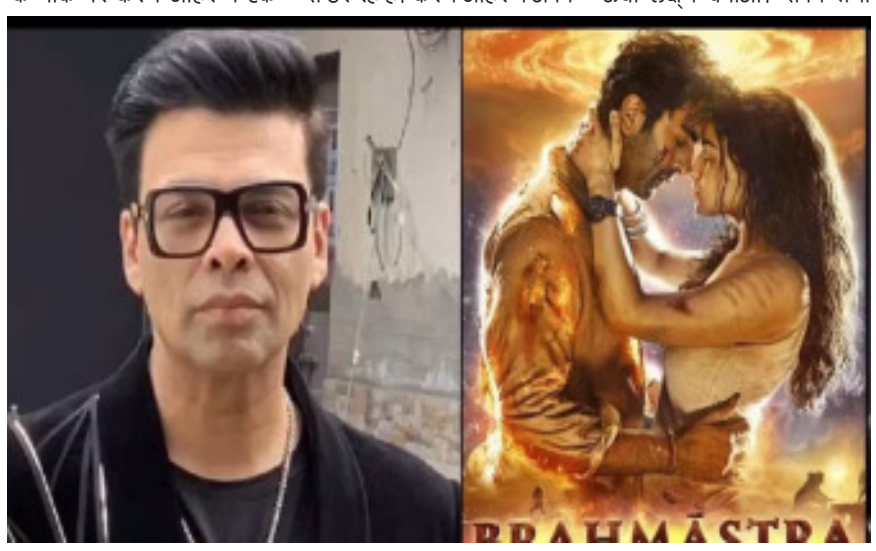

पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने कुछ ऐसा लिख दिया है, जिसे देखकर लग रहा है कि वह 'ब्रह्मास्त्र' बायकॉट से डर गए हैं। डायरेक्टर अयान मुखर्जी 15 अगस्त को 39 वर्ष के हो गए हैं। इस मौके पर बॉलीवुड के तमाम सितारों ने निर्देशक को जन्मदिन की बधाई दी। लेकिन करण जौहर ने अयान मुखर्जी के लिए जो पोस्ट शेयर किया है, उसे देख फैंस थोड़ा हैरान है। करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर अयान मुखर्जी के साथ एक खूबसूरत तस्वीर शेयर की, जिसमें दोनों बच्चों की तरह दिख रहे हैं। इस तस्वीर के साथ करण ने जो कैप्शन में लिखा, उसने हर किसी का ध्यान खींच लिया। उन्होंने पोस्ट में एक लंबा चौड़ा कैप्शन दिया है। उन्होंने लिखा, 'प्यार बहुत मजबूत भावना है। इसे विभाजित किया जा सकता है और फिर बहुत मात्रा में महसूस किया जा सकता है। मैं आपसे प्यार करता हूं। अयान आपके लिए वैसा ही सुरक्षात्मक महसूस करता हूं जैसा कि अपने दोनों जुड़वां बच्चों के लिए। मैं जानता हूं कि पूरे दस साल आपने अपनी फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में लगा दिए हैं। मैंने किसी को नहीं देखा कि आपकी तरह अपनी प्रोफेशनल लाइफ को किसी एक प्रोजेक्ट में इस तरह से समर्पित कर दे।' उन्होंने आगे लिखा, 'कल या कहें कि 9 सितंबर हमारे लिए कैसा होगा, इस पर हम भविष्यवाणी नहीं कर सकते सच होते हैं जब आप उनमें सच में यकीन करो और मुझे पता है कि आप करते हैं। आपका सपना आपकी मेहनत का प्यार है दुनिया जल्दी देखेगी।'बता दें कि 'ब्रह्मास्त्र' 9 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। पैन इंडिया लेवल पर आ रही इस फिल्म को तीन पार्ट में दर्शकों के बीच पेश किया जाएगा। अयान मुखर्जी फिल्म के निर्देशक हैं और इसमें आलिया भट्ट, रणबीर कपूर, अमिताभ बच्चन, मौनी रॉय, नागार्जुन जैसे सितारे एक साथ नजर आएंगे। हालांकि, रिलीज से पहले ही इस फिल्म के मेकर्स को ट्विटर पर बायकॉट की धमकी मिल चुकी है, जो फिल्म के लिए नुकसान वाली बात है।

देशभक्ति के रंग में रंगे सुभाष घई, आजादी के जश्न पर रिलीज किया 'तिरंगा' सॉन्ग

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।आजादी के जश्न के मौके पर आम इंसान से लेकर बॉलीवुड की हस्तियां भी देश भक्ति के रंग में डूबी नजर आ रही हैं। सभी अपनी-अपनी तरह से देश के प्रति सम्मान और प्रेम को व्यक्त कर रहे हैं। आज स्वतंत्रता दिवस के मौके पर फिल्मकार सुभाष घई ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने नए गाने देश भक्ति गीत के बारे में जानकारी दी। उन्होंने ये गाना अपने म्यूजिकल स्कूल 'व्हिसलिंग वुड' के छात्रों के साथ रिलीज किया है। सुभाष घई ने अपने नए देशभक्ति सॉन्ग का टाइटल 'तिरंगा' रखा है। जानकारी के मुताबिक, इस गाने को उन्होंने खुद लिखा और कंपोज किया है। आज सुभाष घई ने अपने इंस्टाग्राम से गाने की पोस्ट साझा करते हुए लिखा- आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है गाने में प्रधानमंत्री और क्रांतिकारियों की झलकियों से लेकर

झंडा फहराते हुए नागरिकों, और स्वच्छता अभियान में योगदान करने वाले लोगों तक कई खूबसूरत दृश्यों को दर्शाया गया है। इसके साथ ही गाने की वीडियो में व्हिसलिंगवुड्स के छात्रों की झलक भी दिखाई गई है। सुभाष घई ने इस गाने को स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले यानी 14 अगस्त को रिलीज किया है। उन्होंने इस गाने को अपने यूट्यूब चैनल पर रिलीज करते हुए कैप्शन में बताया कि व्हसिलिंग वुड्स इंटरनेशनल के एक हाजर छात्रों ने 75वें आजादी के अमृत महोत्सव को सेलिब्रेट किया। बॉलीवुड को कई शानदार फिल्में देने वाले सुभाष घई पहले ही देश भक्ति के गीत दे चुके हैं। जो आज भी लोग गुनगुनाते नजर आते हैं। इससे पहले वह फिल्म परदेस के लिए 'आई लव माई इंडिया' और 'कर्मा' के लिए 'ऐ मेरे वतन के लोगों' दे चुके हैं। यह सॉन्ग 15 अगस्त पर बजाए जाने वाले सबसे ज्यादा पसंदीद ट्रैक में से एक है।

महलों जैसा घर और करोड़ों की गाडियां, बॉलीवुड के छोटे नवाब सैफ अली खान की नेटवर्थ कर देगी हैरान

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। अभिनेता सैफ अली खान को बॉलीवुड का छोटा नवाब कहा जाता है। कई शानदार फिल्में देने वाले सैफ 16 अगस्त को अपना

जन्मदिन सेलिब्रेट करते हैं। साल 1970 को नई दिल्ली में जन्में सैफ ने अपने करियर की शुरुआत यश चोपड़ा के बैनर के तले बनी फिल्म 'परंपरा' से की थी। इसके बाद रोमांटिक ड्रामा फिल्म ये 'दिल्लगी' और एक्शन फिल्म 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' से सैफ को सही मायने में पहचान मिली। इसके बाद अभिनेता सफलता और असफलता के दौर से गुजरते हुए आगे बढ़ते चले गए। सैफ अली खान बॉलीवुड इंडस्ट्री के सबसे अमीर अभिनेताओं में शुमार है। उनके पास पुश्तैनी दौलत तो है ही, इसके साथ ही अभिनेता ने खुद भी करोड़ों की संपत्ति बनाई है। वह लग्जरी गाडियों के भी शौकीन हैं। तो चलिए जानते हैं सैफ अली खान के कार कलेक्शन से लेकर उनकी नेट वर्थ तक के बारे में। सैफ अली खान का पूरा परिवार सिनेमा से जुड़ा हुआ है। सैफ की मां शर्मिला टैगोर भी जानी मानी अभिनेत्री रह चुकी हैं। वहीं बहन सोहा और उनकी बेटी सारा भी पॉपुलर एक्ट्रेस में शुमार हैं। इसके अलावा सैफ की पूर्व पतने अमृता सिंह भी अभिनेत्री रह चुकी हैं, वहीं करीना अभी भी अभिनय में सक्रिय हैं। इस तरह से सैफ अली खान का बॉलीवुड के बहुत ही गहरा नाता है। मंसूर अली खान पटौदी के बेटे सैफ अली खान पटौदी खानदान के दसवें नवाब हैं। वह राजा-महाराजाओं वाली जिंदगी जीते हैं। तो चलिए जानते हैं उनकी नेटवर्थ। पटौदी घराने से ताल्लुक रखने वाले सैफ अली खान की संपत्ति के बारे में बात करें तो रिपोर्ट्स के मुताबिक, सैफ की कुल नेटवर्थ 15 करोड़ डॉलर यानि करीब 1120 करोड़ रुपए है। रिपोर्ट की मानी जाए तो बीते कुछ सालों में उनकी संपत्ति में 70 फीसदी तक का इजाफा हुआ है। इसके अलावा अभिनेता के पास पुश्तैनी जायदाद की भी कोई कमी नहीं है। बताया जाता है कि उनका खानदानी महल की कीमत 800 करोड़ से भी कहीं ज्यादा है।

सिन्टा के कार्यक्रम में बोले अनुपम खेर, 'हर दिन दिखे राष्ट्रभक्ति की भावना, करें नारी का सम्मान

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। महापर्व पर फिल्म अभिनेता और निर्देशक अनुपम खेर ने मुंबई फिल्म जगत के कलाकारों की संस्था सिने एंड टीवी आर्टिस्ट एसोसिएशन (सिन्टा) की तरफ से अपने सदस्यों को उपलब्ध कराई

गई स्वास्थ्य सेवाओं के शिविर के उद्घाटन समारोह में नारी सम्मान की बात करते हुए कहा कि नारी के सम्मान में ही राष्ट्र का गौरव है। हर घर तिरंगा की मुहिम के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि इससे बड़ी मुहिम आज तक मैंने नहीं देखी। देशभक्ति की भावना लोगों के अंतर्मन में विद्यमान है, लेकिन यह भावना साल में सिर्फ एक बार नहीं बल्कि हर रोज दिखनी चाहिए। बॉलीवुड के कलाकारों की सबसे बड़ी संस्था सिन्टा में 15 अगस्त के मौके पर कलाकारों के लिए निःशुल्क निवारक जांच का कैंप का आयोजन किया गया है। अनुपम खेर ने खुद अपना जांच करवा कर कैंप का उद्घाटन किया। अनुपम खेर कहते हैं, 'मुझे जब भी इस तरह के किसी भी आयोजन के लिए बुलाया जाता है। चाहे वह बड़ा आयोजन हो या छोटा आयोजन मैं जरूर जाता हूं।' इस अवसर पर बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार अमरीश पुरी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए अनुपम खेर ने कहा, 'अमरीश पुरी जब 2000 में सिन्टा के अध्यक्ष बने थे, तभी से उन्होंने सिन्टा कलाकारों के लिए निःशुल्क निवारक जांच का आयोजन करना शुरू किया जो सतत जारी है। सिन्टा की यह पहल संस्था की तरफ से चलाई जा रही तमाम कल्याणकारी गतिविधियों में से एक है। इस अवसर पर हर घर तिरंगा की पहल पर बातचीत करते हुए अनुपम खेर ने कहा, 'मैंने अपने जीवन में ऐसा पहली बार देखा है। जब देश का हर नागरिक इस मुहिम में शामिल हुआ है। आज जब मैं रास्ते से गुजर रहा था, तो सभी घर, दुकान, ऑटो,गाड़ी पर तिरंगा लहराते हुए देखा। इससे बड़ा मुहिम मैंने आज तक नहीं देखी। अनुपम खेर कहते है, 'देश भक्ति की यह भावना सिर्फ साल में एक बार नहीं आनी चाहिए, बल्कि आप के अंदर देशभक्ति की भावना हर रोज प्रखर होनी चाहिए। देशभक्ति की भावना लोगों के अंतर्मन में विद्यमान रहती है और यह लोगों के देश के प्रति असीम प्रेम और समर्पण की भावना प्रदर्शित करती है। दूसरे शब्दों में देशभक्त वह व्यक्ति होता है जो अपनी मातृभूमि और उसके प्रति लोगों और राजनीतिक व्यवस्था के प्रति वफादार रहकर उसके विकास के लिए काम करता है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के अमृत महोत्सव पर लाल किले से नारी शक्ति और बच्चों के सम्मान की बात कही। अनुपम खेर कहते हैं, 'सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि नारी शक्ति और बच्चों के सम्मान की बात लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जो कही है। वही भाव देश के हर नागरिक के अंदर होना चाहिए। नारी का अपमान किया जाना ठीक नहीं है। देश में हर हाल में नारी का सम्मान जरूरी है। नारी के ही सम्मान में ही राष्ट्र का गौरव है। बेटा, बेटी में बिना भेदभाव किए दोनों को एक समान देखना चाहिए।'

साउथ की इस स्मॉल बजट फिल्म ने चटाई 'लाल सिंह चड्ढा' को धूल, 10 दिन बाद भी दमदार कमाई जारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बॉलीवुड और साउथ की बहस साल 2022 की शुरुआत के साथ ही शुरू हो गई थी। हिंदी सिनेमा के खराब प्रदर्शन के चलते कई लोगों ने बॉलीवुड के मुकाबले साउथ की फिल्मों को अच्छे नंबरों से पास किया। ऐसे में हर किसी को आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' से काफी उम्मीदें थीं। अनुमान लगाया गया कि इस फिल्म

से साथ हिंदी सिनेमा की छवि में सुधार आएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आमिर खान की 'लाल सिंह चड्ढा' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही है। इतना ही नहीं, इस बिग बजट फिल्म को साउथ की छोटी फिल्म से टक्कर मिल रही है। आमिर की इस फिल्म के सामने मृणाल ठाकुर की फिल्म 'सीता रामम' खड़ी है। आइए आपको आंकड़ों से फिल्मों की कमाई बताते हैं। आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' 11 अगस्त यानी रक्षाबंधन के मौके पर रिलीज हुई थी। बायकॉट के बाद भी माना जा रहा था कि आमिर की फिल्म होने की वजह से इसका कलेक्शन भी शानदार रहेगा। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। फिल्म ने रविवार यानी चौथे दिन महज 10 करोड़ का कलेक्शन किया। वीकएंड का फिल्म फायदा उठाती दिखी। लेकिन टोटल कलेक्शन में ज्यादा सुधार नहीं आया। इस फिल्म की टोटल कमाई 37.96 करोड़ रुपये की हुई है। यह फिल्म अब तक 40 करोड़ का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाई, जिस वजह से फिल्म फ्लॉप होती दिख रही है। हिंदी सिनेमा में बेशक 'लाल सिंह चड्ढा' और 'रक्षा बंधन' के बीच टक्कर देखने को मिल रही है। लेकिन साउथ सिनेमा में कई फिल्में सिनेमाघरों में लगी हुई हैं, जो अच्छा खासा कलेक्शन कर रही हैं। इस लिस्ट में 'विरुमन', 'सीता रामम', 'नन ठान केस कोदू', 'गालीपता 2' और 'बिम्बिसार' है, जिसमें 'सीता रामम' और 'बिम्बिसार' के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिल रही है। बजट में छोटी होने के बाद भी यह दोनों फिल्में शानदार कमाई कर रही हैं। अब तक फिल्म का कुल कलेक्शन 37.70 करोड़ रुपये हो गया है और 'सीता रामम' 40 करोड़ को पार जल्द करती दिखेगी। 'लाल सिंह चड्ढा' और 'सीता रामम' दोनों फिल्में पैन इंडिया लेवल पर रिलीज हुई हैं। फिर भी महज 30 करोड़ के बजट में बनी 'सीता रामम' कमाई में आगे निकल गई। दुलकर सलमान और मृणाल ठाकुर की इस फिल्म को रिलीज हुए लगभग 10 दिन हो गए हैं और इस फिल्म ने अपना बजट काफी समय पहले ही निकाल किया है। इस फिल्म ने देशभर में 32.85 करोड़ रुपये का कारोबार किया है और दुनिया भर में 50 करोड़ तक पहुंच गई है। दूसरी तरफ 'लाल सिंह चड्ढा' रविवार तक 37.96 करोड़ रुपये तक पहुंच पाई है। इस फिल्म की कमाई की रफ्तार देखते हुए ये कहना गलत नहीं होगा कि 180 करोड़ की लागत में बनी आमिर की फिल्म का बजट निकालने भी मुश्किल होता जा रहा है।

विजय देवरकोंडा ने इस वजह से ठुकरा दी थी करण जौहर की पहली फिल्म

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बोले- उस वक्त मैं हर बड़ा स्टार करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म में काम करने का सपना संजोता है। मगर, कुछ स्टार्स ऐसे भी हैं, जिन्होंने करण जौहर की फिल्म के ऑफर को रिजेक्ट करने में देर नहीं लगाई। इनमें एक नाम साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा का भी है। हाल ही में उन्होंने इस बात को लेकर दिलचस्प खुलासा किया है। विजय देवरकोंडा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'लाइगर' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म के प्रमोशन में एक्टर कोई कमी नहीं छोड़ रहे। इस दौरान उनसे कई दिलचस्प सवाल भी पूछे जा रहे हैं, जिनका जवाब वह बेधड़क होकर दे रहे हैं। बता दें कि विजय देवरकोंडा हाल ही में 'लाइगर' के प्रमोशन के सिलसिले में हैदराबाद पहुंचे और यहां एक मीडिया बातचीत में शामिल हुए। इस दौरान विजय देवरकोंडा ने कई मजेदार सवालों के जवाब भी दिए। उन्होंने इस बात का भी खुलासा किया कि वह करण जौहर की बॉलीवुड फिल्म का ऑफर ठुकरा चुके हैं। साथ ही इसकी वजह भी स्पष्ट की। बातचीत के दौरान एक्टर ने बताया कि उन्होंने अपना पहला बॉलीवुड प्रोजेक्ट ठुकरा दिया था! यह फिल्म किसी और ने नहीं, बल्कि करण जौहर ने उन्हें ऑफर की थी। विजय देवरकोंडा ने कहा, 'फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' देखने के बाद करण जौहर ने मुझे बॉलीवुड फिल्म ऑफर की थी। लेकिन, उस वक्त मैं रेडी नहीं था और अब हम 'लाइगर' के जरिए एक साथ आ रहे हैं। यह एक पैन इंडिया फिल्म है।' विजर देवरकोंडा ने करण जौहर की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने हर जगह हमारा भरपूर साथ दिया है। बता दें कि पैन इंडिया फिल्म 'लाइगर' आगामी 25 अगस्त को रिलीज हो रही है। करण जौहर इसके को-प्रोड्यूसर हैं। गौरतलब है कि विजय देवरकोंडा के अपोजिट इस फिल्म में बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे नजर आएंगी। दर्शकों के बीच इस फिल्म का जबरदस्त क्रेज है।

बच्चन पांडे' का आंकड़ा भी नहीं छू पाई 'रक्षा बंधन'

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। फ्लॉप के कगार पर फिल्मबॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की फिल्म 'रक्षा बंधन' का प्रदर्शन दिन-ब-दिन खराब होता जा रहा है। फिल्म को रिलीज हुए एक हफ्ता हो गया है और अभी तक यह 50 करोड़ रुपये का कारोबार भी नहीं कर पाई है। बुधवार को आए शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने सात दिनों में अब तक की सबसे कम कमाई की और यह फ्लॉप होने का कगार पर आ गई हैं। फिल्म के प्रदर्शन को देखकर यही लग रहा है कि जल्द यह भी इस साल आई अक्षय की 'बच्चन पांडे' और 'सम्राट पृथ्वीराज' की तरह बॉक्स ऑफिस पर ढेर हो जाएगी। हालांकि एक हफ्ते की कमाई के मामले में 'बच्चन पांडे' भी 'रक्षा बंधन' से आगे निकल गई है। अक्षय कुमार की 'रक्षा बंधन' से फैंस भी उम्मीदें लगा रहे थे कि शायद बहन-भाई का प्यार उनकी नैया पार लगा देगा और फिल्म बढ़िया प्रदर्शन करेगी। हालांकि ऐसे कुछ भी नहीं हुआ और अब फिल्म का 50 करोड़ का आंकड़ा पार करना भी मुश्किल सा लग रहा है। पहले दिन फिल्म ने 8.2 करोड़, दूसरे दिन 6.4 करोड़, तीसरे दिन 6.51 करोड़ और चौथे दिन यानी रविवार को फिल्म का कलेक्शन बढ़ा और 7.05 करोड़ की कमाई हुई। लेकिन इसके बाद फिल्म के कलेक्शन में गिरावट होने लगी और पांचवें दिन 6.31 करोड़ और छठे दिन 2.11 करोड़ की कमाई हुई। वहीं, अब सातवें दिन महज 1.70 करोड़ का कारोबार हुआ है। आनंद एल राय के निर्देशन में 70 करोड़ के बजट से बनी 'रक्षा बंधन' अभी कुल 38.28 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर पाई है। वहीं, इसी साल आई अक्षय कुमार की फिल्म 'बच्चन पांडे' ने 'रक्षा बंधन' को पछाड़ दिया है।

आरोपी बनाए जाने के बाद बोले जैकलीन फर्नांडीज के वकील

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। एंटरटेनमेंट डेस्क, अमर उजाला हर्षिता सक्सेना ऊपरबॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज का नाम जबसे मनी लॉन्ड्रिंग केस में सामने आया है, तभी से एक्ट्रेस की मुश्किलें लगातार बढ़ती जी रही है। बीते दिन ही प्रवर्तन विदेशालय ने मामले में अभिनेत्री को आरोपी बनाते हुए चार्जशीट दायर की थी। इसी क्रम में अब इस पूरे मामले पर जैकलीन के वकील की प्रतिक्रिया सामने आई है। इस बारे में मीडिया से बात करते हुए अभिनेत्री के वकील प्रशांत पाटिल ने बताया कि एक्ट्रेस को अभी तक शिकायत की कोई आधिकारिक कॉपी नहीं मिली है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि, प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर की जा रही शिकायत के बारे में हमें सिर्फ मीडिया रिपोर्ट्स के जरिए जानकारी मिली है। इस संबंध में प्रवर्तन निदेशालय या कोर्ट की तरफ से कोई भी आधिकारिक सूचना नहीं मिली है। हालांकि, अगर मीडिया रिपोर्ट्स में बताई जा रही खबरें सच है तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मेरे क्लाइंट को इस मामले में आरोपी के तौर पर पेश किया गया है। वकील ने आगे कहा कि एक्ट्रेस ने जांच के दौरान पूरा सहयोग किया, लेकिन इसके बाद भी वह एक बड़ी साजिश का शिकार हो गई है। उन्होंने कहा कि जैकलीन अब तक की गई हर पूछताछ में शामिल हुई हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
प्रयागराज

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका है। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते है। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके है। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए है। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे है इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे है। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं है ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते है। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डी जी ई टी -6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मैंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र मे प्रस्तावित व्यवसायो मे अगस्त 2021मे प्रारम्भ होने वाले सत्र मे प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कन्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया मे प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय मे सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए
visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुलसीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करे :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306060178, 9026359274